Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 142
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

हिन्दी दैनिक

मंत्र भारत

लखनऊ-रविवार,21 सितम्बर 2025 लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

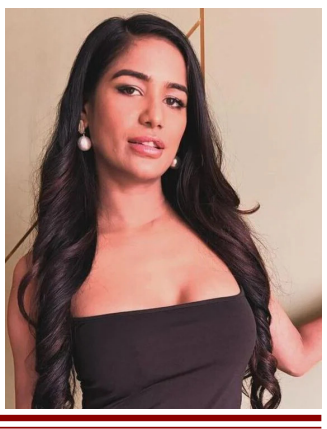

3 सीएम योगी का नाम सुनकर कांपते हैं अपराधीः ब्रजेश 4 चुनौती नहीं अवसर है ट्रंप की वीजा नीति, 'इंडियन ब्रेन' 5 कभी फैलाई मौत की झूठी खबर; अब रामलीला

सीएम ने किया मिशन शक्ति-5 .0 का शुभारंभ

एसओपी की पुस्तिकाओं का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में आज लोक भवन सभागार में नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए समर्पित शिमशन शक्ति-5.0 का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर 1,647 थानों में नवस्थापित मिशन शक्ति केंद्रों का उद्घाटन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति केंद्रों से संबंधित एसओपी की पुस्तिकाओं का विमोचन किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और मंत्री बेबी रानी मौर्या समेत अन्य लोग मौजूद रहे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नारी गरिमा और उसके सम्मान को आगे बढ़ाने के लिए पिछले 11 वर्षों में केन्द्र की मोदी सरकार कार्य कर रही है। उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना जैसी योजनाओं के केन्द्र में महिला हैं। पुलिस में महिलाओं की भर्ती की गयी है। 2017 से पहले की सरकारों में भेदभाव होता था। चेहरे देख कर योजनाओं का लाभ दिया जाता था। आज सरकार बिना भेदभाव के बेटियों के विवाह के लिए एक लाख रुपये की सहायता दे रही है। बैंकिंग करस्पांडेट सखी की योजना शुरू की गयी थी। उनके माध्यम से हजारों करोड़ का लेनदेन हो रहा है। वे खुद भी कमाई कर रही हैं। 17 के पहले पोषाहार की स्कीम के साथ शराब के ठेकेदार जुड़े थे। धांधली होती थी। टीएचआर प्लांट लगाया। नीयत ठीक तो योजनाएं खुद रास्ता निकाल लेती हैं। पहले महिलाओं की सुरक्षा का खतरा बना रहता था। बेसिक स्कूलों में पढ़ने वाली बच्चियों के पैर में न चप्पल थी और न सर्दी में पहनने को स्वेटर थे। एक बच्ची ने बताया कि उसके लिए जूते और स्वेटर नहीं है लेकिन उसके भाई के लिए अभिभावक ने सारी चीजें व्यवस्था की है। जब समाज समृद्ध होता है तो राष्ट्र को समृद्ध होने से कोई नहीं रोक सकता। आपने देखा होगा, महिला संबंधी अपराध में संलिप्त अपराधी बाहर से आया था। वह संभवतः मारीच की तरह घुसा था लेकिन जब यहां की पुलिस की गोली ने उसके शरीर को छलनी किया तो वह चिल्ला रहा था कि मैं गलती से उत्तर प्रदेश की सीमा में आ गया हूं, आगे से यूपी नही आऊंगा। यह हर उस अपराधी को करना पड़ेगा जो महिला सुरक्षा में सेंध लगाएगा। उनके सम्मान और उनके स्वावलंबन में बाधक बनेगा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि साढ़े आठ साल में यूपी की जनता के बीच यह भरोसा कायम हो गया है कि यदि कोई अपराध करेगा तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई होगी। प्रदेश की बहन बेटियों को भरोसा दिलाता हूं कि हमारी सरकार के प्रति बने उनके विश्वास को टूटने नहीं दिया जाएगा। आज हर थाने में महिला पुलिस मौजूद है। कोई रावण माता सीता का हरण करेगा तो लंका दहन हो जाएगा।उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि पीएम मोदी की सोच को धरातल पर उतारने के लिए 2017 से उत्तर प्रदेश में कार्य किया जा रहा है। 2017 से पहले प्रदेश के हालात समान्य नहीं थे। हमें अच्छी तरह याद है कि शाम पांच बजे तक बेटी घर नहीं आती थी तो मां परेशान होती थी। तत्कालीन सरकार गुण्डों के साथ खड़ी थी। आज कानून व्यवस्था इतनी सख्त है कि अपराधी गले में तख्ती लेकर घूमते नजर आ रहे हैं। इस मौके पर मंत्री बेबी रानी मौर्य, वरिष्ठ नेता महेन्द्र सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद संजय सेठ, लालजी प्रसाद निर्मल के साथ ही मुख्य सचिव दीपक कुमार, डीजीपी राजीव कृष्ण, प्रमुख सचिव गृह एवं सूचना संजय प्रसाद मौजूद रहे।

उत्तराखंड में जल्द लागू होगा स्पोर्ट्स लीगेसी प्लानः धामी

हल्द्वानी (एजेंसी)। उत्तराखंड को खेलभूमि के रूप में स्थापित करने के लिए सरकार स्पोर्ट्स लेगेसी प्लान लागू करने जा रही है। इसके तहत आठ प्रमुख शहरों में 23 खेल अकादमियों की स्थापना की जाएगी। इनमें हर साल 900 विश्वस्तरीय एथलीट और एक हजार अन्य खिलाड़ी उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यह बात शुक्रवार को गौलापार अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में एशियन कैडेट कप के शुभारंभ के दौरान कही। गौलापार मेंपेर्फेसिंग के अंडर 17 टूर्नामेंट एशियन कैडेट कप का उद्घाटन करते हुए कहा कि देश में पहली बार एशियन तलवारबाजी की मेजबानी का अवसर देवभूमि को मिला है। यह उत्तराखंड के लिए गौरव की बात है। सरकार ने 517 करोड़ से अत्याधुनिक स्टेडियम बनाने के साथ ही 100 करोड़ की लागत से खेल उपकरण लाकर उत्तराखंड में विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया है। इसी का परिणाम है कि उत्तराखंड केवल राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजनों के लिए महत्वपूर्ण स्थान बन रहा है। इसका उदाहरण यह एशियन कैडेट कप है। बताया कि हल्द्वानी में उत्तराखंड का प्रथम खेल विश्वविद्यालय और लोहाघाट में महिला स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित किया जा रहा है। प्रदेश में लागू नई खेल नीति में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न सरकारी नौकरी प्रदान की जा रही है। चार फीसदी खेल कोटा बंद था, उसे फिर से लागू किया गया है। पंतनगर एयरपोर्ट को बनाएंगे अंतरराष्ट्रीय सीएम ने कहा कि प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तराखंड खेलों का हब बने इसके लिए काम किया जा रहा है। खिलाड़ियों को यहां बेहतर सुविधाएं मिलें, इसके लिए यहां बड़े होटलों का निर्माण जरूरी हो गया है। देवभूमि में खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिले इसके लिए नई ट्रेनें चलाने की तैयारी है।

जम्मू कश्मीर के उधमपुर में मुठभेड़ में सेना का एक जवान शहीद

जम्मू (एजेंसी)। उधमपुर जिले के सियोजधार इलाके में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना का एक जवान शहीद हो गया है। समाचार भिजवाते समय तक आतंकियों से मुठभेड़ जारी थी। दूसरी ओर सेना ने पुंछ में एक तलाशी अभियान में 20 हथगोले व एक राइफल बरामद की है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में सेना का एक जवान घायल हो गया। जिसने बाद में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सेना, विशेष अभियान समूह (एसओजी) और पुलिस ने सिओज धार के ऊंचाई वाले इलाके से लगे डुडू पुलिस थाना क्षेत्र में एक अभियान शुरू किया, जिसके परिणामस्वरूप मुठभेड़ हुई। जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मुठभेड़ जारी है। एसओजी, पुलिस और भारतीय सेना की संयुक्त टीमें जमीन पर हैं। रिपोर्टों के अनुसार, गोलीबारी में सेना का एक जवान शहीद हो गया। इससे पहले, व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर कहा था कि सामान्य इलाके में एक खुफिया-आधारित अभियान में, व्हाइट नाइट कोर के सतर्क सैनिकों ने रात लगभग 8 बजे आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया।

पीएम मोदी ने गुजरात को दी करोड़ों की सौगात, बोले- भारत की सभी समस्याओं का एक ही इलाज आत्मनिर्भरता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भावनगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि दूसरे देशों पर निर्भरता भारत की मुख्य दुश्मन है और देश को (सेमीकंडक्टर) चिप्स से लेकर जहाजों तक सबकुछ बनाना चाहिए। वह गुजरात में भावनगर के गांधी मैदान में समुद्र से समृद्धि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने कुल 34,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। उन्होंने कहा, सही मायनों में, दुनिया में भारत का कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। दूसरे देशों पर निर्भरता भारत की एकमात्र दुश्मन है। हमें दूसरों पर इस निर्भरता को खत्म करना होगा। हमें यह समझना होगा कि हम जितना ज्यादा दूसरों पर निर्भर होंगे, विफलता की दर उतनी ही ज्यादा होगी। प्रधानमंत्री ने कहा, सेमीकंडक्टर चिप्स से लेकर जहाजों तक, हमें सबकुछ बनाना होगा। शांति, स्थिरता व समृद्धि के लिए, दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश को आत्मनिर्भर बनना होगा।उन्होंने कहा कि

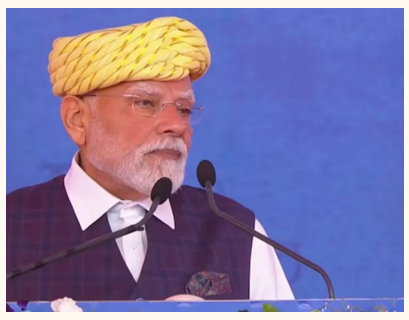

भारत की सभी समस्याओं का एक ही इलाज है और वह है आत्मनिर्भरता। मोदी ने निर्भरता के वित्तीय बोझ को रेखांकित करते हुए कहा कि देश को दुनिया भर में अपना माल भेजने के लिए विदेशी कंपनियों को सालाना छह लाख करोड़ रुपये का भुगतान करना होता है। उन्होंने कहा, यह हमारे रक्षा बजट के लगभग बराबर है। प्रधानमंत्री ने बताया कि लगभग 50 साल पहले, देश का 40 प्रतिशत व्यापार भारत निर्मित जहाजों के माध्यम से होता था, लेकिन अब यह घटकर केवल पांच प्रतिशत रह गया है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने बड़े जहाजों को बुनियादी ढांचे के रूप में मान्यता देकर भारत के समुद्री क्षेत्र को मजबूत बनाने का एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। उन्होंने कहा, भारत के बंदरगाह एक वैश्विक समुद्री महाशक्ति के तौर पर उभरने के लिए हमारे देश के लिए रीढ़ की तरह हैं।

गयाजी पहुंची राष्ट्रपति मुर्मू, पितरों की आत्मा की शांति के लिए किया पिंडदान, राज्यपाल भी रहे मौजूद

गयाजी (एजेंसी)। पितृपक्ष के पावन अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपती मुर्मू

आज बिहार की धार्मिक नगरी गयाजी पहुंची और अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। इससे पहले आज सुबह गयाजी हवाईअड्डे पर मुर्मू का भव्य स्वागत किया गया। राष्ट्रपति के स्वागत के लिए प्रदेश के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान स्वयं मौजूद थे। राष्ट्रपति मुर्मू गया हवाईअड्डे से सीधे विष्णुपद मंदिर के लिए रवाना हुईं, जहां उन्होंने अपने पितरों की आत्मा की शांति और मोक्ष की प्राप्ति के लिए पिंडदान किया। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर विष्णुपद मंदिर में भी विशेष व्यवस्था की गई थी। उड़ीसा क्षेत्र के पुरोहित मंगल झांगर ने पिंडदान कर्मकांड की प्रक्रिया संपन्न कराई। इस अवसर पर पुरोहित मंगल झांगर ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पितरों के पिंडदान कर्मकांड की प्रक्रिया पूरे धार्मिक विधि विधान के अनुसार संपन्न कराई गई। उन्होंने कहा कि इस दौरान राष्ट्रपति को गयाजी में होने वाले पिंडदान कर्मकांड के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मू पहली बार पिंडदान कर्मकांड के लिए गया आई हैं। इससे पहले उनके पूर्वजों ने भी यहां पिंडदान किया था, जिससे संबंधित दस्तावेज भी उन्हें दिखाए गए। उन्होंने कहा कि विष्णुपद मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के पास कुछ समय पहले यह सूचना आई थी कि राष्ट्रपति मुर्मू पिंडदान करने गया आ रही है। आज राष्ट्रपति पिंडदान के बाद दिल्ली वापस रवाना हो गईं। इससे पहले शुक्रवार को रिलायंस समूह के चेयरमैन मुकेश अंबानी और उनके पुत्र अनंत अंबानी भी गयाजी पिंडदान करने पहुंचे थे। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के मद्देनजर गयाजी में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किये गए थे और हवाईअड्डे से विष्णुपद मंदिर तक के मार्ग पर पुलिस चाकचौबंद और मुस्तैद थी। इस संबंध में शुक्रवार को अधिकारियों ने मॉक ड्रिल कर सुरक्षा घेरों की मजबूती की की जांच भी की थी। आज सुबह राष्ट्रपति का काफिला गया एयरपोर्ट से 5 नंबर गेट, घुघड़ीटॉड़ बाईपास और बंगाली आश्रम होते हुए विष्णुपद मंदिर तक पहुंचा। राष्ट्रपति की सुरक्षा पुख्ता रखने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं और हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए मजिस्ट्रेट के साथ सुरक्षा जवान तैनात किए गए थे।

दिल्ली के कई स्कूलों को बम की धमकी, तलाशी अभियान जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के कई स्कूलों को शनिवार सुबह बम की धमकी मिली जिसके बाद पुलिस तथा बम निरोधक दस्तों ने स्कूल पहुंच कर तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि जिन स्कूलों को धमकियां मिली उनमें द्वारका में स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल और सर्वोदय विद्यालय शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ते और पुलिस दल परिसरों में पहुंचे और एहतियात के तौर पर छात्रों व कर्मचारियों को परिसर से बाहर निकाल लिया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम परिसरों की गहन जांच कर रहे हैं। अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। स्कूलों में तलाशी अभियान जारी है। पुलिस ने बताया कि अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि धमकियां किसने दीं और यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या ये धमकियां दहशत फैलाने के किसी समन्वित प्रयास का हिस्सा हैं।

सौरभ भारद्वाज ने ईसीआई और केंद्र सरकार पर उठाए सवाल

कहा-बड़े पैमाने पर वोट चोरी और फजीर्वाड़ा, चुनाव आयोग तथ्यों को दबा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता

सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर कई सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान बड़े पैमाने पर वोट चोरी और फजीर्वाड़ा हुआ था, लेकिन चुनाव आयोग इस मामले में कार्रवाई करने के बजाय तथ्यों को दबा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने एच1-बी वीजा शुल्क बढ़ाने और हरियाणा द्वारा दिल्ली को पानी न देने के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा। सौरभ भारद्वाज ने समाचार एजेंसी से खास बातचीत में कहा कि हमने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि दिल्ली में चुनाव में बड़े स्तर पर फजीर्वाड़ा हुआ। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की विधानसभा में ही आखिरी दो महीने में 6,166 वोट काटने की फर्जी एप्लिकेशन डाली गईं। जिन लोगों के नाम पर एप्लिकेशन डाली गई, उन्होंने खुद ऑन-कैमरा आकर कहा कि हमने कोई एप्लिकेशन डाली ही नहीं। उन्होंने बताया कि उस समय की दिल्ली की मुख्यमंत्री ने इस मामले में चुनाव आयोग को लिखित शिकायत दी थी। हमने बार-बार शिकायत की। पिछले महीने आरटीआई लगाकर पूछा कि इस पर क्या कार्रवाई हुई, क्या एफआईआर दर्ज हुई, क्या कोई जांच बैठाई गई? लेकिन चुनाव आयोग ने यह कहकर जवाब देने से इनकार कर दिया कि यह व्यक्तिगत जानकारी है और इसमें कोई पब्लिक इंटरेस्ट जुड़ा हुआ नहीं है। इसके बाद हमने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और फिर वहीं, चुनाव आयोग जो पहले जानकारी नहीं दे रहा था, उसे अपने एक्स हैंडल पर सभी जानकारी दे दी।

यूपी में लागू नहीं होने देंगे एसआईआर, यह जनता और किसान विरोधी : शिवपाल

इटावा (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और कहा भाजपा के लोग पीडीए से घबरा गए हैं इसीलिए अनाप-सनाप बयान दे रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने ऐलान किया कि उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) होने नहीं देंगे। इसका पुरजोर विरोध करेंगे। यह राज्य की जनता और किसान के हित के पूरी तरह से खिलाफ है। इटावा में शिवपाल यादव ने एक बार फिर से भाजपा को आढ़े हाथ लेने का काम किया। उन्होंने मीडिया से

मुखातिब होते हुए भाजपा को पीडीए से घबराया हुआ बताया। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी का नाम लेते हुए कहा कि उनके द्वारा वोट चोरी को लेकर मामला उठाया गया है। इतने बड़े नेता जब वोट चोरी की बात कह रहे हैं तो चुनाव आयोग को उनकी बात पर अमल करना चाहिए। वहीं मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी के कार्यालय को अवैध बताए जाने पर उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यालय कहीं से अवैध नहीं है। पार्टी कार्यालय की जमीन को खरीदा गया था और उसको सपा फंड से बनवाया गया था। शिवपाल यादव ने आगामी ग्राम पंचायत के चुनाव को लेकर एक बड़ा बयान दिया।

मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर बेमियादी हड़ताल पर, भाजपा नेता पर महिला डॉक्टर से बदसलूकी का आरोप

धनबाद(एजेंसी)। झारखंड के धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएम एमसीएच) के जूनियर डॉक्टर भाजपा नेता और धनबाद सांसद के प्रतिनिधि रामप्रवेश दास द्वारा एक जूनियर महिला डॉक्टर से कथित बदसलूकी के विरोध में शनिवार सुबह से बेमियादी हड़ताल पर चले गए हैं। इस वजह से ओपीडी, इमरजेंसी और इनडोर सेवाएं ठप हो गई हैं और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि शुक्रवार शाम रामप्रवेश दास कथित तौर पर नशे की हालत में अस्पताल पहुंचे और महिला डॉक्टर से बुर्का हटाने की जिद करने लगे। इस दौरान उन्होंने अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल किया और डॉक्टरों को धमकाया। डॉक्टरों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी वे दास की बदसलूकी और धमकियों की लिखित शिकायत सांसद को दे चुके हैं, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। घटना के बाद शुक्रवार रात आपात बैठक बुलाकर जूनियर डॉक्टरों ने सामूहिक हड़ताल का फैसला लिया।

मोदी ने वोट चुराकर सत्ता हासिल की,हमारे पास पुख्ता सबूत, जल्द हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे:राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि उनके पास वोट चोरी के ऐसे सबूत हैं, जिन्हें वे जल्द ही सबके सामने लाएंगे। उसके बाद किसी को भी शक नहीं रहेगा कि मोदी ने वोट चोरी कर सत्ता हासिल की है। हमारे पास 100: सबूत हैं। जल्द ही हम एक हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे, जो पूरी सच्चाई देश के सामने रख देगा। यह मामला ओपन एंड शट है। हम बिना सबूत के कभी कुछ नहीं कहते। इस बार भी हमारे पास पूरे सबूत हैं। उन्होंने कहा कि पिछली प्रेस

कॉन्फ्रेंस में भी कांग्रेस ने वोटर लिस्ट में धांधली के उदाहरण दिए थे। महादेवपुरा और आलंद में गलत तरीके से वोट जोड़ने और काटने की घटनाएं दिखाई थीं। कांग्रेस सांसद ने कहा मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार वोट चोरों को बचा रहे हैं। आलंद विधानसभा क्षेत्र में 6000 वोटरों के नाम काटने की कोशिश का मामला सीआईडी जांच में है। ये जांच खुद सीईसी की भूमिका पर सवाल उठाती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनका हाइड्रोजन बम प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से जुड़ा होगा, तो राहुल ने कहा कि यह अटकलें लगाने का काम मीडिया का है, उनका काम है सच्चाई देश के सामने लाना।

मोदी-मोदी के नारे लगवाना विदेश नीति नहीं, राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिएः खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अमेरिका द्वारा एच-1बी वीजा पर एक लाख डॉलर (88 लाख रुपये) का शुल्क लगाए जाने के बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि गले लगना और मोदी-मोदी के नारे लगवाना विदेश नीति नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि विदेश नीति में राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए तथा किसी से मित्रता को विवेक एवं संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ गैर आप्रवासी कामगारों के प्रवेश पर रोक संबंधी सरकारी आदेश पर शुक्रवार को

हस्ताक्षर किए। इस फैसले के तहत उन कामगारों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी, जिनके एच1बी आवेदन के साथ एक लाख अमेरिकी डॉलर का भुगतान नहीं किया गया होगा। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, नरेन्द्र मोदी जी, आपके जन्मदिन पर फोन कॉल के बाद आपको जो जवाबी तोहफा मिला है उससे भारतीय नागरिकों को दुख होता है। यह आपकी अबकी बार, ट्रंप सरकार की ओर से जन्मदिन का जवाबी तोहफा है। उन्होंने दावा किया कि एच-1बी वीजा पर एक लाख डॉलर का वार्षिक शुल्क भारतीय तकनीकी कर्मचारियों को सबसे अधिक प्रभावित करने वाला है क्योंकि, एच-1बी वीजा धारकों में से 70 प्रतिशत भारतीय हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 50 प्रतिशत टैरिफ पहले ही लगाया जा चुका है, अकेले 10 क्षेत्रों में भारत को 2.17 लाख करोड़ रुपये का नुकसान पहले से ही अनुमानित है। अमेरिका का हायर अधिनियम भारतीय आउटसोर्सिंग को लक्षित करता है। उन्होंने कहा कि चाबहार बंदरगाह से छूट हटाई गई, जिससे भारत के रणनीतिक हितों को नुकसान होगा। खरगे ने कहा, यहां तक कि यूरोपीय संघ से भारतीय वस्तुओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने का आान भी किया गया।

अमृत भारत एक्सप्रेस किफायती एवं आधुनिक सुविधाओं से लैस

नई दिल्ली : भारतीय रेल ने अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में अपने यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त एवं किफायती ट्रेनों की बड़ी सौगात दी है। आज देश में अलग-अलग मार्गों पर 11 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इस ट्रेन की सबसे बड़ी विशेषता इसकी डिजाइन एवं सुविधायें हैं। यह स्वदेशी ट्रेन आत्मनिर्भर भारत की भावना को और प्रबल करती है। इसकी पहचान यात्रियों की सुविधा, ऊर्जा की बचत एवं पर्यावरण के प्रति सजगता है। यही कारण है कि यह ट्रेन देश के बदलते स्वरूप का प्रतिबिम्ब पेश करती है। वर्तमान में भारतीय रेल के विभिन्न मार्गों पर दरभंगा-आनन्द विहार टर्मिनल, सहरसा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस, राजेन्द्र नगर टर्मिनल-नई दिल्ली, बापूधाम मोतिहारी-आनन्द विहार टर्मिनल, दरभंगा-गोमती नगर, मालदा टाउन-गोमती नगर, सीतामढ़ी-दिल्ली, गया-दिल्ली, जोगबनी-ईरोड, सहरसा-छैहरटा

(अमृतसर) तथा मालदा टाउन-सर एम. विश्वसरैय्या टर्मिनल, बेंगलुरु सहित कुल 11 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें अपनी सेवायें दे रही हैं। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि वंदे भारत एवं नमो भारत के बाद एक और आधुनिक ट्रेन देश को मिली है, जिसका नाम अमृत भारत ट्रेन रखा गया है। वंदे भारत, नमो भारत एवं अमृत भारत ट्रेनों की त्रि-शक्ति भारतीय रेल का कायाकल्प करने जा रही है। अमृत भारत एक्सप्रेस तकनीकी दृष्टि से भी अत्यंत सुरक्षित है। कवच सिस्टम से युक्त इस ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर, क्रैश ट्यूब एवं ईपी-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम हैं, जिससे आपातकालीन परिस्थियों मे तुरन्त ब्रेक लग सके। इसके सभी कोच पूरी तरह से सील्ड गैंगवे एवं वैक्यूम एवैक्यूएशन सिस्टम से लैस हैं। पहली बार गैर-वातानुकूलित कोच में फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा दी गई है, जो यात्रियों की सुरक्षा में क्रांतिकारी कदम है। इसके अतिरिक्त टॉकबैक यूनिट एवं ट्रेन मैनेजर (गार्ड) रूम में रिस्पॉन्स यूनिट सुरक्षा को और मजबूत बनाते हैं। यात्रा के दौरान यात्रियों का विशेष ध्यान रखा गया है। ट्रेन में सेमी-ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किया गया है, जिससे कोच जोड़ते या अलग करते समय झटका या शोर नहीं होता है। डिफॉर्मेशन ट्यूब दुर्घटना के समय लगने वाले झटके कम कर देती है तथा पुश-पुल तकनीक इसकी रफ्तार को बढ़ाने में मदद करती है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये कोचों में कई आधुनिक विशेषतायें जोड़ी गई हैं। इसमें फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, बॉटल होल्डर, रेडियम फ्लोर ट्रिप्स, आरामदायक सीटें एवं बर्थ सम्मिलित हैं। इस ट्रेन के प्रत्येक प्रसाधन में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमैटिक सोप डिस्पेंसर एवं फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधायें हैं। दिव्यांगजनों के लिये भी विशेष प्रसाधन उपलब्ध किये गये हैं। साथ ही, प्रत्येक यात्री के लिये फास्ट चार्जिंग पोर्ट तथा पैंट्रीकार जैसी सुविधायें यात्रा को और सुखद बनाती हैं। अमृत भारत एक्सप्रेस से करीब 1000 किमी. तक की यात्रा लगभग रू. 450 में की जा सकती है, जो इसे आम जनता के लिये रेल यात्रा को और सुलभ बनाती है। अमृत भारत एक्सप्रेस उस सोच की परिचायक है, जो बताती है कि अब देश की रेल यात्रा आधुनिक सुविधाओं एवं किफायती दरों के साथ एक नये युग में प्रवेश कर चुकी है। अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की प्रमुख विशेषतायें इस प्रकार हैं- तअमृत भारत एक्सप्रेस एक किफायती ट्रेन है, जिससे कम लागत में लम्बी दूरी की यात्रा की जा सकती है।त्मेक इन इंडिया पहल के तहत इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री में अमृत भारत 2.0 का निर्माण किया गया है।त्इनके कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर जैसी सुविधायें प्रदान की गई हैं।त्हवाई जहाज की तर्ज पर इनमें रेडियम एलिमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप, एयर स्प्रिंग बॉडी लगाई गई है।त्ट्रेन के प्रसाधनों में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमैटिक सोप डिस्पेंसर एवं एरोसॉल आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम सहित अनेक प्रावधान किए गये हैं।

लखनऊ जं. स्टेशन से साइक्लॉथन रैली निकालकर आमजनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए मंडलीय अधिकारी एवं कर्मचारी

गोरखपुर,: रेल यात्रियों को स्वच्छ एवं साफ सुथरा वातावरण उपलब्ध

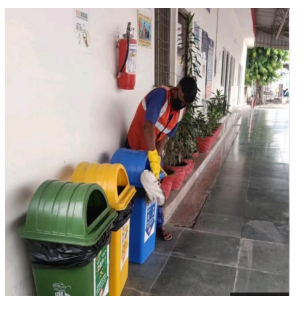

कराने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 02 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता ही सेवा अभियान के चौथे दिन 20 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी, इज्जतनगर मंडलों के प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस दौरान स्टेशनों, कार्यालय, प्रतिक्षालय, कार्यालयों तथा ट्रैक के दोनों किनारों की सफाई की गई। 20 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक श्री गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में

लखनऊ जं. स्टेशन से साइक्लॉथन रैली निकालकर आमजनों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। लखनऊ जं. ऐशबाग, बस्ती, गोण्डा, खलीलाबाद एवं गोरखपुर स्टेशनों पर रेलवे ट्रैक, प्लेटफार्म, कायालयों, यात्री प्रतीक्षालयों तथा रेल परिसर की सफाई की गई एवं स्टेशनों पर सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्कीकरण हेतु डस्टबिन का प्रावधान किया गया। यात्रियों को बोतल क्रशर मशीन का उपयोग करने हेतु जागरूक किया गया। वाराणसी

मंडल पर मंडल रेल प्रबन्धक श्री आशीष जैन के मार्गदर्शन में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता सम्बन्धित नारों, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से कर्मचारियों एवं यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान यात्रियों को बोतल क्रशर मशीन का उपयोग करने तथा स्टेशन परिसर एवं ट्रेनों में स्वच्छता को बनाये रखने हेतु जागरूक किया गया।

स्लोगन एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थी

गोरखपुर,ः पूर्वोत्तर रेलवे पर राजभाषा सप्ताह समारोह-2025 का आयोजन 18 से 23 सितम्बर, 2025 तक किया जा रहा है। BAी क्रम में

20 सितम्बर, 2025 को एन.ई.रेलवे सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गोरखपुर में रेलवे स्कूल के बच्चों के लिए वाक, स्लोगन एवं पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में एन.ई.रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल और एन.ई.रेलवे बालि**का इंटर कॉ**लेज के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हिंदी वाक प्रतियोगिता में एन.ई.रेलवे सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गोरखपुर की रागिनी-प्रथम, मो.फरहान-द्वितीय एवं तंजिला फातिमा-तृतीय स्थान तथा हिंदी स्लोगन प्रतियोगिता में निशा सैनी- प्रथम, त्रिशांगी योगराज-द्वितीय एवं नंदिनी चौधरी-तृतीय स्थान पर रहीं। पेंटिंग प्रतियोगिता में एन.ई.रेलवे बालिका इंटर कॉलेज की अलंकृता शर्मा-प्रथम, एन.ई.रेलवे सीनियर सेकेंडरी स्कूल की अनन्या सिंह-द्वितीय एवं एन.ई.रेलवे बालिका इंटर कॉलेज की श्वेता सिंह तथा एन.ई.रेलवे सीनियर सेकेंडरी स्कूल की निशा सैनी संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम का आयोजन एन.ई.रेलवे सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गोरखपुर के प्रधानाचार्य श्री सूरज सिंह रावत द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजभाषा अधिकारी-सह-वकाधि/मुख्यालय, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर श्री गोपाल प्रसाद गुप्ता ने विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनामिका सिंह, वरिष्ठ अनुवादक द्वारा किया गया। इस अवसर पर रेलवे स्कूल के शिक्षक/शिक्षिकाएं, विद्यार्थी तथा राजभाषा विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

BHU सहित प्रदेश के 11 चिकित्सा संस्थानों में होगी निशुल्क कीमोथेरेपी, NHM के तहत खुलेगा सेंटर

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू सहित प्रदेश के 11 चिकित्सा संस्थानों में निशुल्क कीमोथेरेपी होगी। इसके लिए चिकित्सा संस्थानों में डे केयर कैंसर सेंटर खोले जा रहे हैं। इसमें स्क्रीनिंग के साथ ही 24 घंटे कीमोथेरेपी की सुविधा मिलेगी। एक लाख से पांच लाख तक की दवाएं (कीमो) भी निशुल्क मिलेंगी। लखनऊ में सबसे ज्यादा चार सेंटर बनाए गए हैं। पूर्वांचल में वाराणसी के साथ ही गोरखपुर में भी सेंटर बनेगा। आगरा, प्रयागराज, मेरठ, अलीगढ़ में भी सेंटर बनाया रहा है। कैंसर पीड़ितों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इसे देखते हुए ही यूपी सरकार ने नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के तहत मेडिकल यूनिवर्सिटी, रिसर्च इंस्टीट्यूट और मेडिकल कॉलेजों में डे केयर कैंसर सेंटर खोलने का निर्णय लिया है। इस सेंटर की खासियत है कि यहां ओरल, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर पीड़ितों की निशुल्क जांच और इलाज किया जाएगा। आईएमएस बीएचयू को नोडल सेंटर भी बनाया गया है। इससे वाराणसी के आसपास के जिलों को जोड़ा गया है। बीएचयू में हर दिन 60 मरीजों को मिलेगा लाभ आईएमएस बीएचयू में 20 बेड का डे केयर सेंटर बनाने का प्रस्ताव तैयार कराया गया है। वर्तमान में जहां सर्जिकल आंकोलॉजी विभाग की ओपीडी चलती है, उसके सामने ही खाली जगह पर सेंटर बनाया जाएगा। इसके बनने के बाद यहां 24 घंटे कीमोथेरेपी की सुविधा मिलेगी। इसका लाभ रोजाना 60 मरीजों को मिलेगा। एक मरीज को कीमोथेरेपी देने में करीब 8 घंटे लगते हैं। ऐसे में 24 घंटे में 20 बेड पर 60 मरीजों की कीमोथेरेपी की जा सकेगी। आईएमएस बीएचयू के निदेशक प्रो.एसएन संखवार ने बताया कि तत्कालीन प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा ने डे केयर कैंसर सेंटर खोले जाने और एक नोडल अधिकारी को नामित करने का एक मांग पत्र भेजा था। इसके बाद सर्जिकल आंकोलॉजी विभाग के प्रो. कैंसर पीड़ितों की जांच, इलाज की दिशा में हर संभव बेहतर प्रयास किया जा रहा है। डे केयर कैंसर सेंटर खोलने और निशुल्क कीमोथेरेपी से मरीजों को लाभ मिलेगा। आईएमएस बीएचयू में बनने वाले सेंटर के संचालन के लिए निदेशक, नोडल अधिकारी सहित अन्य लोगों से समय-समय पर बातचीत की जाती रहेगी।

उदय बोरवणकर ने 20 सितम्बर,2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया

गोरखपुर, ः उदय बोरवणकर ने 20 सितम्बर,2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया है। श्री बोरवणकर भारतीय रेल प्रबंधन सेवा के अधिकारी हैं। आप 1985 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिष्ठित स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस के लिए चयनित हुए। भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरिंग संस्थान, जमालपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के

पश्चात आपने मुंबई से स्नातकोत्तर (एम.बी.ए.) की डिग्री प्राप्त की। आपने आईआईटी, खड़गपुर से इलेक्ट्रॉनिक्स, इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद एवं बोक्कोनो स्कूल ऑफ बिजनेस (मिलान) से बिजनेस मैनेजमेंट तथा ग्राज विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया से सिविल इंजीनियरिंग में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। बोरवणकर ने मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे, रेलवे बोर्ड तथा प्रतिनियुक्ति पर खान मंत्रालय एवं महा मेट्रो में पिछले 35 वर्षों में अनेक चुनौतीपूर्ण पदों पर उत्कृष्ट सेवाएँ दी हैं। आपने अपर मंडल रेल प्रबंधक/नागपुर, रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक, नागपुर मेट्रो में परिचालन एवं प्रबंधन के प्रभारी, मंडल रेल प्रबंधक/भोपाल तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, आर.डी.एस.ओ. के महानिदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी कार्य किया है। आरडीएसओ के महानिदेशक के रूप में आपने भारतीय रेल में आधुनिक तकनीक के समावेश के अग्रदूत रहे हैं और कवच, वंदे भारत ट्रेनें, हाइड्रोजन ट्रेन, एआई एवं ड्रोन आधारित तकनीकह्न डास (डी.ए.एस.) जैसे महत्वपूर्ण अभियानों का नेतृत्व किया है। उदय बोरवणकर एक अच्छे पाठक, प्रख्यात वक्ता हैं और उन्हें जैविक खेती, फोटोग्राफी तथा भारतीय संगीत में विशेष रुचि है। तकनीकी और प्रबंधकीय नेतृत्व के साथ ही आपने पर्यावरण संरक्षण, हरित ऊर्जा और गुणवत्ता प्रणाली प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पूर्वसैनिकों, वीर नारियों और आश्रितों को योजनाओं से जोड़ा, किया गया जागरुक

मेरठ। मुख्यालय पश्चिम यूपी सब एरिया मेरठ की ओर से शनिवार को पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों के लिए विशेष वेटरंस रैली आयोजित की गई। यह आयोजन अब्दुल हमीद सैनिक इंस्टीट्यूट मेरठ कैंट में हुआ। मेरठ, मुजफ्फरनगर, बागपत, बिजनौर और शामली जिलों से बड़ी संख्या में प्रतिभागी पहुंचे। रैली का उद्देश्य पूर्वसैनिकों और उनके परिवारों को सरकार और सेना की योजनाओं से जोड़ना और उनकी समस्याओं का समाधान करना रहा।कर्नल वेटरंस ए.एस. अंतल ने बताया कि सेना हमेशा अपने पूर्वसैनिकों और वीर नारियों के साथ खड़ी है। रैली के माध्यम से प्रतिभागियों को विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया और मौके पर ही मदद भी दी गई। सेना अभिलेख कार्यालयों के प्रतिनिधियों से प्रतिभागियों को सीधी चर्चा का अवसर मिला, ताकि पेंशन या अन्य प्रशासनिक समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जा सके। विशेष रूप से स्पर्श पेंशन पोर्टल के महत्व को समझाया गया और पोर्टल पर पंजीकरण करने की प्रक्रिया बताई गई। मोबाइल एप के माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र अपलोड करने की विधि भी सिखाई गई, जिससे भविष्य में परेशानियों से राहत मिलेगी। इसके साथ ही, रैली में रोजगार के अवसरों की जानकारी भी दी गई और सेवानिवृत्ति के बाद जीवनयापन के लिए सेना एवं केंद्र सरकार की योजनाओं का विवरण प्रस्तुत किया गया।

वेस्ट यूपी में हाईकोर्ट बेंच की मांग, वकीलों का प्रदर्शन, मानव श्रृंखला में राजनीतिक दल भी शामिल

मेरठ। वेस्ट यूपी में हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर मेरठ में वकीलों ने पैदल मार्च और मानव श्रृंखला का आयोजन किया। सपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, बसपा और भीम आर्मी ने आंदोलन का समर्थन किया। वेस्ट यूपी में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की मांग को लेकर वकीलों ने शनिवार दोपहर जोरदार प्रदर्शन किया। सुबह से ही वकील बेगमपुल की ओर पैदल मार्च पर निकले और यहां करीब 200 वकीलों ने मानव श्रृंखला बनाई। हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर उन्होंने सरकार के समक्ष अपनी मांग रखी कि वेस्ट यूपी में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना तुरंत की जाए। वकीलों ने दी आंदोलन की चेतावनी वकीलों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस प्रदर्शन को सपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, बसपा और भीम आर्मी जैसे राजनीतिक दलों का भी समर्थन मिला। राजनीतिक दलों के समर्थन से वकीलों की आवाज और मजबूत हुई और आंदोलन में व्यापक जनसमर्थन देखने को मिला। आंखों में स्प्रे डालकर फौजी की पत्नी से सोने की चेन लूटी, पुलिस अब तक खाली

हाथ मानव श्रृंखला बनाकर किया प्रदर्शन, राजनैतिक दल भी हुए शामिल वकीलों ने बताया कि वेस्ट यूपी में न्यायालयिक मामलों की सुविधा के लिए हाईकोर्ट बेंच की आवश्यकता है। स्थानीय लोगों को लंबी दूरी तय करने की परेशानी से बचाने और न्याय त्वरित रूप से मिलने के लिए यह कदम जरूरी है।

मनबढ़ों ने पूर्व डिप्टी मेयर की दुकान पर चलाया बुलडोजर, गिराई दुकान- भड़के व्यापारी

गोरखपुर। चिरंजीव चौरसिया ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि हजारीपुर स्थित दुकान लंबे समय से थी। कुछ लोगों ने दुकान खरीदने का दावा किया और कब्जा करने की नीयत से दुकान को बुलडोजर लगाकर गिरा दिया। आरोप है कि इस दौरान दुकान में रखे 10 हजार रुपये नकद और जरूरी कागजात भी लूट लिए गए। कोतवाली क्षेत्र के हजारीपुर में बृहस्पतिवार की देर रात मनबढ़ों ने बुलडोजर लगाकर एक दुकान को ढहा दिया। शुक्रवार सुबह इसकी जानकारी होने पर हड़कंप मच गया। पूर्व डिप्टी मेयर चिरंजीव चौरसिया ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद कई व्यापारी उनके घर पहुंच गए और सामूहिक रूप से कोतवाली थाने पहुंचकर विरोध जताया। पुलिस ने आरोपी दुर्गा प्रसाद जायसवाल के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चिरंजीव चौरसिया ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि हजारीपुर स्थित दुकान लंबे समय से थी। कुछ लोगों ने दुकान खरीदने का दावा किया और कब्जा करने की नीयत से दुकान को बुलडोजर लगाकर गिरा दिया।

ऐतिहासिक उपलब्धिः मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में सुरंग निर्माण में बड़ी सफलता समाज के एक बड़े वर्ग के लिए सुगम्यता सुनिश्चित करने हेतु मध्यम-वर्गीय किराया संरचना के साथ आरामदायक यात्रा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (HSR) परियोजना में एक ऐतिहासिक इंजीनियरिंग उपलब्धि हासिल की है। 4.8 किलोमीटर लंबे सुरंग

स्वामी विवेकानंद विद्याश्रम में विज्ञान मेला सम्पन्न

थरवई (प्रयागराज)। स्वामी विवेकानंद विद्याश्रम सी.से. विद्यालय में शनिवार को विज्ञान मेले का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य दिनेश कुमार पाण्डेय एवं केशव संकुल से जुड़े सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।मेले में विद्या भारती केशव संकुल के अंतर्गत संचालित ज्वाला देवी सरस्वती शिशु मंदिर

(सिविल लाइन व गंगापुरी), मम्फोर्डगंज, किदवई नगर, हंडिया, जॉर्ज टाउन, स्वामी विवेकानंद विद्याश्रम इंटर कॉलेज सहित अन्य विद्यालयों के शिक्षक और छात्र-छात्राएँ शामिल हुए।विद्यार्थियों ने सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, रोबोटिक्स, प्रदूषण नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर मॉडल एवं प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए, जिन्हें अभिभावकों व अतिथियों ने सराहा।प्रधानाचार्य दिनेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों में जिज्ञासा और नवाचार की भावना को बढ़ावा देते हैं तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभाग करने वाले बच्चों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।विज्ञान मेले की सफलता में विद्यालय के सभी शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं का विशेष योगदान रहा।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया

थरवई। चौधरी भवानी भीख इंटर कॉलेज पडिला के छात्र। झांसी में 11 से 19 सितंबर तक हुई 69वीं प्रदेशीय माध्यमिक हॉकी प्रतियोगिता 2025-26 में प्रयागराज मंडल की अंडर-14 और अंडर-19 बालिका टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पड़िला महादेव स्थित चौधरी भवानी भीख विद्यालय की कुल 11 छात्राओं ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। शनिवार को कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. रमेश कुमार शुक्ला ने खेल शिक्षक भूपेंद्र सिंह पटेल व शिक्षिका विमला यादव की मौजूदगी में छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर विद्यालय के तमाम शिक्षक-शिक्षिकाएं व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

खुदरा उत्पादों पर प्रोसेसिंग शुल्क घटा सकते हैं बैंक, त्योहारों में बढ़ेगा खर्च; आरबीआई ने दिया निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्योहारी सीजन में खर्च बढ़ाकर अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाने के लिए आरबीआई ने बैंकों को डेबिट कार्ड जैसे चुनिंदा खुदरा उत्पादों पर शुल्क घटाने को कहा है। सोमवार से जीएसटी सुधारों के लागू होने के साथ ही अगर बैंक शुल्कों में कटौती करते हैं, तो इससे मांग और खपत में अच्छी तेजी आ सकती है। इससे लोग ज्यादा पैसे खर्च करेंगे। बैंकों का मानना है कि अगर ऐसा होता है, तो उन्हें शुल्क के रूप में मिलने वाले अरबों रुपये की रकम से हाथ धोना पड़ सकता है। सूत्रों का कहना है आरबीआई ने जिन खुदरा उत्पादों के शुल्क में कमी करने की बात कही है, उनमें प्रमुख रूप से डेबिट कार्ड, न्यूनतम बैलेंस और देर से भुगतान पर लगने वाले शुल्क शामिल हैं। सूत्रों ने बताया, भारतीय बैंक संघ भी बैंकों के साथ 100 से अधिक खुदरा उत्पादों के शुल्क को घटाने की बातचीत कर रहा है। इन पर आरबीआई की नजर हो सकती है।

सीएम योगी का नाम सुनकर कांपते हैं अपराधी: ब्रजेश पाठक

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को कहा कि

2017 के बाद से मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में महिलाओं के लिए अभियान शुरू हुआ। आज आलम यह है कि अपराधी मुख्यमंत्री योगी का नाम सुनकर ही कांप जाते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय समाज में महिलाओं का महत्वपूर्ण स्थान है। द्वापर और त्रेता युग में देवता भी देवियों की आराधना करते थे। घर में भी शिक्षा के लिए सरस्वती माता और धन के लिए मां लक्ष्मी की पूजा होती है। कष्ट में हम सनातन धर्म वाले मां काली को याद करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2017 से पहले क्या हालात थे किसी से छुपे नहीं। हमारी बहनें 2017 से पहले प्रदेश की स्थिति को एक बार याद करें। 2017 से पहले बेटी 5 बजे घर नहीं आती थी तो परिवार घबराता था। नारा चलता था देख सपाई बिटिया घबराई। पाठक ने कहा कि आज अपराधी गले में तख्ती लटका कर कह रहे हैं अपराध नहीं करना है। आज अपराधी अपराध से तौबा तौबा चिल्ला रहे हैं। प्रदेश में 44177 बेटियों को पुलिस में भर्ती किया गया। आज किसी रोमियो की ताकत नहीं है कि किसी बेटी पर फबती कस दे, यह वही पुलिस है जो पहले थी। डिप्टी सीएम पाठक ने कहा कि सपा के गुंडों ने सीओ को गाड़ी के बोनट पर लटका कर एसपी के घर में घुसेड़ दिया। पहले एसपी को भी सपा सरकार में थप्पड़ मार दिए जाते थे। आज पुलिस प्रशासन शक्ति के साथ काम कर रहा है। आज एनसीआरबी के आंकड़े अपराध की हालत बता रहे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज अपराधियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए सजा हो रही है। प्रधानमंत्री आवास भी बेटियों के नाम पर दिया जा रहा। पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को सत्ता में भागीदारी दी। कांग्रेस ने महिला आरक्षण बिल को फाड़ दिया था। भारत की बेटी संसद में बैठकर देश का कानून बनाएंगी।

सीएम ने किया पुस्तक मेले का शुभारंभ

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ विश्वविद्यालय में गोमती पुस्तक मेले का उद्घाटन किया। इस मौके पर सीएम योगी ने वहां पर मौजूद बच्चों से मुलाकात की और उन्हें पुस्तकें

वितरित कीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि ये पुस्तक मेला नौ दिनों तक चलेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय मेंलगभग 20 हजार छात्र हैं। मैं तो चाहूंगा कि यहां का हर छात्र कम से कम एक पुस्तक तो जरूर लेकर जाए। पुस्तकें मनुष्य की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं इन्होंने कहा कि मैं तो युवाओं को कहूंगा कि पांच-छह घंटे स्मार्ट फोन पर देने की जगह अगर एक घंटा रचनात्मक पुस्तक को देंगे तो कल्याण हो जाएगा।

आउटसोर्सिंग: विधवा, तलाकशुदा, लोकल को मिलेगी वरीयता

लखनऊ (संवाददाता)। आउटसोर्सिंग नौकरियों के लिए आवेदन करने वाला शख्स स्थानीय निवासी है और पद के लिए जरूरी योग्यता से ज्यादा पढ़ा-लिखा है तो उसके चयन के अवसर बढ़ जाएंगे। आउटसोर्सिंग वाले कर्मचारियों को वेतन हर माह 1 से 5 तारीख के बीच मिल जाएगा। सचिवालय प्रशासन विभाग ने यूपी आउटसोर्स निगम के गठन का कार्यकारी आदेश जारी कर दिया। निगम के गठन को यूपी कैबिनेट ने 2 सितंबर को ही मंजूरी दे दी थी।निगम नियामक निकाय के तौर पर काम करेगा और आउटसोर्सिंग एजेंसियों की निगरानी करेगा ताकि कर्मचारियों के हित सुरक्षित रहें। निगम देखेगा, कर्मचारियों को समय से तनख्वाह मिले, उनका ईपीएफ खाता खुले और बीमा लाभ मिले। शासनादेश में तय हुआ कि किस सेवा के लिए संविदाकर्मी को कितना वेतन मिलेगा। न्यूनतम वेतन 20,000 रुपये प्रति माह तय किया गया है।एजेंसियों का चयन जेम पोर्टल के जरिए होगा। एजेंसियों के मार्फत आए अभ्यर्थियों में से चयन के लिए मापदंड तय किए गए हैं। निर्धारित योग्यता से ज्यादा योग्यता रखने वाले को अधिकतम 25 अंक, विधवा, तलाकशुदा व परित्यक्ता को अधिकतम 10 अंक, लिखित परीक्षा में प्राप्तांक के लिए अधिकतम 50 अंक और स्थानीय निवासियों को अधिकतम 15 अंक दिए जाएंगे। इसके आधार पर चयन होगा। विधवा को पहली वरीयता, तलाकशुदा को दूसरी और परित्यक्ता को तीसरी वरीयता दी जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को निगम एक विशिष्ट कोड जारी करेगा। चयन मे आरक्षण नियमों का पालन होगा। यूपी मे करीब 5 लाख आउटसोर्स कर्मचारी है।आदेश में निगम का स्वरूप भी तय हो गया है। महानिदेशक इसके प्रशासनिक मुखिया होंगे। निदेशक मंडल का अध्यक्ष मुख्य सचिव को बनाया गया है, जबकि महानिदेशक सचिव होंगे। निदेशक मंडल मे सचिवालय प्रशासन, वित्त, कार्मिक, न्याय और श्रम विभाग के प्रशासनिक मुखिया होगे।

एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ाए जाने पर सुरेंद्र राजपूत ने जताई आपत्ति, गिनाए ट्रंप के भारत विरोधी फैसले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के

लखनऊ (संवाददाता)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ाने के फैसले पर शनिवार को कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने आपत्ति जताई। उन्होंने अमेरिका के इस कदम को शत्रुतापूर्ण व्यवहार बताया और सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में जब डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत के विरोध में कदम उठा रहे हैं तो वे हमारे कैसे हो सकते हैं? कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने समाचार एजेंसी से बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत विरोधी फैसले गिनाए। उन्होंने कहा कि हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए डोनाल्ड ट्रंप किसी भी हाल में हमारे मित्र नहीं हो सकते। कांग्रेस नेता ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत के हितों पर कुठाराघात करते हुए टैरिफ बढ़ाया। इसके बाद चाबाहार पोर्ट के निर्माण पर प्रतिबंध लगाया, जिससे भारत के व्यापारिक हितों पर कुठाराघात होगा। इस प्रतिबंध की वजह से भारत अपनी व्यापारिक गतिविधियों को पाकिस्तान की सीमा को बिना स्पर्श किए मध्य एशिया और रूस सहित अन्य देशों के साथ नहीं कर पाएगा। फिर अमेरिका ने हमें ड्रग्स आपूर्तिकर्ता की सूची में डाल दिया। इसके अलावा सुरेंद्र राजपूत ने सैम पित्रोदा के बयान को जायज ठहराते हुए भाजपा को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही हास्यास्पद स्थिति है कि एक तरफ जहां इन लोगों को भारत और पाकिस्तान के बीच मैच का आयोजन कराने में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होती है, वहीं दूसरी तरफ अगर सैम पित्रोदा अपने बयान में यह कह देते हैं कि उन्हें नेपाल, पाकिस्तान और बांग्लादेश में घर जैसा महसूस होता है तो इन लोगों को मिर्ची लग जाती है। कांग्रेस नेता ने कहा, अब यह लोग सैम पित्रोदा के बयान पर सवाल उठा रहे हैं। मैं कहता हूं कि सैम पित्रोदा ने क्या गलत कहा है? क्या पाकिस्तान 1947 से पहले भारत का हिस्सा नहीं था? क्या नेपाल के साथ हमारे रोटी-बेटी के संबंध नहीं रहे? निसंदेह रहे हैं, ऐसी स्थिति में मुझे नहीं लगता है कि सैम पित्रोदा ने कुछ गलत कहा है। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि ये लोग सैम पित्रोदा के बयान को लेकर हो-हल्ला कर रहे हैं, लेकिन यह नहीं कह रहे हैं कि उन्होंने पाकिस्तानी आतंकवादियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान वैश्विक मंच पर आतंकवादियों को संरक्षण दे रहा है। ऐसा करके वह वैश्विक समुदाय के बीच में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन दुख की बात है कि भाजपा इसका जिक्र नहीं कर रही है। इससे यह साफ जाहिर हो रहा है कि भाजपा के लोग सिर्फ सस्ती राजनीति करने पर आमादा हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से शिमशन शक्ति चरण 5 का शुभारंभ करने पर कांग्रेस नेता ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि सीएम को जरा यह बताना चाहिए कि अब तक उन्होंने मिशन चार में क्या-क्या किया है। इस संबंध में उन्हें बाकायदा श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। उन्हें यह बताना चाहिए कि किस तरह से उनके शासनकाल में आम लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि दो साल की बच्ची से लेकर 60 साल की बुजुर्ग महिला तक कोई भी प्रदेश में सुरक्षित नहीं है, लेकिन दुख की बात है कि प्रदेश सरकार इस दिशा में कोई कदम उठाना जरूरी नहीं समझ रही है।

लखनऊ के नए मंडलायुक्त ने संभाली कुर्सी

शहर का ट्रैफिक मैनेजमेंट बेहतर करेंगे, जनता की सुनवाई को प्राथमिकता मिलेगी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ मंडल के नए आयुक्त विजय विश्वास पंत ने शनिवार को कुर्सी संभाल ली। पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं गिनाईं। उन्होंने कहा शहर का ट्रैफिक मैनेजमेंट बेहतर करेंगे। इसके साथ ही जनता की सुनवाई को प्राथमिकता मिलेगी। पंत अब तक प्रयागराज के मंडलायुक्त थे। लखनऊ की कमिश्नर रहीं रोशन जैकब को अब खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। 2004 बैच के आईएएस अधिकारी विजय विश्वास पंत ने शनिवार को कार्यभार संभालते ही अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि लखनऊ मंडल की प्रमुख समस्याओं को समझने के लिए वह सभी उच्च अधिकारियों से बैठक करेंगे। ट्रैफिक से लेकर नागरिक सुविधाओं तक के मुद्दों पर ठोस समाधान की दिशा में काम करेंगे। विजय विश्वास पंत ने कहा कि ट्रैफिक लखनऊ की सबसे बड़ी समस्या है। इस पर दो स्तर पर काम होगा-एक शॉर्ट टर्म प्लान, जिससे तुरंत राहत मिल सके, और दूसरा लॉन्ग टर्म प्लान, जिससे आने वाले वर्षों में स्थायी समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक मैनेजमेंट को वैज्ञानिक तरीके से लागू किया जाएगा ताकि लोगों को परेशानी न झेलनी पड़े। मंडलायुक्त ने साफ किया कि जनता की सुनवाई उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि आम लोगों की समस्याओं को सुना जाएगा और जो काम अटके हैं, उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन को भी टॉप प्राथमिकता बताया। विजय विश्वास पंत लखनऊ से पहले प्रयागराज मंडल के कमिश्नर और आजमगढ़ के मंडलायुक्त रह चुके हैं। प्रशासनिक सख्ती और ईमानदारी के लिए उन्हें जाना जाता है। कानपुर में डीएम रहते हुए प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छता और सड़क-बिजली जैसी आधारभूत सुविधाओं पर खुद साइट विजिट कर निगरानी की थी। प्रयागराज में उन्होंने महाकुंभ के दौरान भगदड़ से थोड़ी देर पहले वहां सो रहे अधिकारियों को आगाह कर दिया था। इसके बाद उनकी दूरदर्शिता के चर्चे होने लगे थे। 2018 में कानपुर के डीएम बनने के बाद उन्होंने करप्शन पर सख्ती से रोक लगाई। वह अक्सर प्रोजेक्ट साइट पर जाकर काम की प्रगति देखते और लापरवाही मिलने पर तुरंत कार्रवाई करते। इसी दौरान उनके पास कानपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार भी था। विजय विश्वास पंत मूल रूप से उत्तराखंड के हल्द्वानी के रहने वाले हैं। उनके पिता पीसीएस अफसर और मां उत्तराखंड में उच्च शिक्षा निदेशक रही हैं। उन्होंने कानपुर आईआईटी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी और आईएएस बनने के बाद प्रशासनिक सेवा में आए। खुद एक समय वह शिक्षक बनना चाहते थे।

एमएलसी की 11 सीटों खातिर चुनावी तैयारी तेज

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की 11 सीटों के लिए मतदाता सूचियों के संशोधन का काम 30 सितंबर से प्रारंभ होगा। इसमें नाम शामिल कराने की अर्हता तिथि 1 नवंबर 2025 निर्धारित की गई है। मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 30 दिसंबर को होगा।यूपी के सीईओ नवदीप रिणवा के मुताबिक 6 दिसंबर को विधान परिषद के स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की पांच सीटें लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, इलाहाबाद-झांसी रिक्त होंगी। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की छह सीटें लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, बरेली-मुरादाबाद और गोरखपुर-फैजाबाद - भी रिक्त हो जाएंगी। मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए 30 सितंबर को सार्वजनिक नोटिस जारी किया जाएगा। 15 अक्टूबर को पहली बार और 25 अक्टूबर को दूसरी बार समाचार पत्रों में नोटिस का पुनर्प्रकाशन किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोग सूचित हो सकें।मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवेदक फार्म संख्या 18 या 19 में आवेदन कर सकेंगे। आवेदन करने की अंतिम तिथि 6 नवंबर निर्धारित की गई है। पांडुलिपियों की तैयारी और निर्वाचन नामावलियों का मुद्रण 20 नवंबर को होगा। मतदाता सूचियों के मसौदे का प्रकाशन 25 नवंबर को किया जाएगा।मतदाता 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक इन सूचियों पर आपत्तियां दाखिल कर सकेंगे। 25 दिसंबर तक दावे-आपत्तियों का निस्तारण कर अनुपूरक सूची तैयार कर मुद्रित की जाएगी।स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवेदक के पास अर्हता तिथि 1 नवंबर 2025 से कम से कम तीन वर्ष पूर्व स्नातक की डिग्री या इसके समकक्ष योग्यता होना आवश्यक है। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवेदक को अर्हता तिथि 1 नवंबर 25से पहले राज्य के माध्यमिक स्तर के शैक्षिक संस्थानों में कम से कम 6 वर्षों में 3 वर्ष का शिक्षण कार्य किया होना आवश्यक है।स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मंडलायुक्त होंगे। डीएम अपने निर्वाचन क्षेत्र के सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त करेंगे।उन निर्वाचन क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले सभी विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भी अपने क्षेत्र के सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी होंगे।

युवा मरीज में 8 सेंटीमीटर के रेयर एओर्टिक टियर का मैक्स अस्पताल में फ्रोजन एलीफेंट ट्रंक सर्जरी से हुआ सफल इलाज

लखनऊ (संवाददाता)। मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, लखनऊ, के डॉक्टरों ने प्रयागराज के 27 वर्षीय युवक पर फ्रोजन एलीफेंट ट्रंक प्रोसिजर का इस्तेमाल कर एक असाधारण और जटिल सर्जरी करी, जिसमे एसेन्डिंग एओर्टा और एओर्टिक आर्च का रिप्लेसमेंट, ब्रेन आर्टरी की डिब्रांचिंग की गई और डिसेन्डिंग थोरेसिक एओर्टा के लिए एओर्टिक-स्टेंटेड हाइब्रिड ग्राफ्ट लगाया गया। मरीज में लगभग 8 सेंटीमीटर की बड़ी एओर्टिक डिसेक्शन पाई गई थी, जो एओर्टिक रूट से लेकर एब्डॉमिनल एओर्टा तक फैली हुई थी। यदि इलाज न होता तो यह किसी भी समय फट सकती थी और तुरंत मृत्यु हो सकती थी। डॉ. विजयंत देवेघ्नराज, डायरेक्टर और हेड ऑफ डिपार्टमेंट,कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस), मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, लखनऊ, के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने लगभग 7 घंटे चली इस मैराथन सर्जरी को अंजाम दिया। इसमें पूरे शरीर-दिल, दिमाग, किडनी, लिवर आदि का ब्लड सकुर्लेशन रोकना पड़ा। इस दौरान मरीज के शरीर का तापमान डीप हाइपोथर्मिक टोटल सक्युर्लेटरी अरेस्ट (डीएचसीए) के जरिए 18 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा किया गया और फिर सर्जरी की गई।

घर लौटी उम्मीद: लखनऊ से शुरू हुई त्राया की ऑफलाइन होप स्टोरीज का पहला अध्याय

लखनऊ (संवाददाता)। भारत का अग्रणी समग्र हेयर हेल्थ ब्रांड त्राया ने लखनऊ में अपनी डिजिटल सीरीज होप स्टोरीज का पहला ऑफलाइन संस्करण लॉन्च किया। यह सीरीज, जिसकी शुरूआत ऑनलाइन हुई थी, उन वास्तविक कहानियों को साझा करती है जिनमें लोग त्राया के उपचारों से बाल झड़ने की समस्या पर विजय पाते हैं। इसे ऑफलाइन लाने का मकसद ग्राहकों से और गहरा जुड़ाव बनाना है, जिसकी शुरूआत त्राया ने अपने अहम बाजार लखनऊ से की। कई सालों से होप स्टोरीज ऑनलाइन साझा की जाती रही हैं, जिससे प्रेरणा और बदलाव का एक मजबूत समुदाय बना। लखनऊ संस्करण के साथ, त्राया ने उसी गर्मजोशी और प्रामाणिकता को ऑफलाइन रूप दिया, जहां ग्राहकों, मीडिया और इन्फ्लुएंसर्स ने एक साथ मिलकर हिम्मत और पुनर्विकास की सच्ची कहानियों का जश्न मनाया। आयुर्वेद, न्यूट्रिशन और डमेटोलॉजी को मिलाकर त्राया एक समग्र हेयर हेल्थ ब्रांड के रूप में बाल झड़ने की जड़ वजहों का समाधान करता है। बाल झड़ना एक मौन संघर्ष है, जो कई लोगों के लिए भावनात्मक रूप से थका देने वाला और अलग-थलग कर देने वाला अनुभव होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए त्राया ने होप स्टोरीज की शुरूआत की। एक ऐसा मंच, जहां कंपनी के वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हेयर लॉस ट्रीटमेंट से लाभान्वित असली ग्राहकों की कहानियां साझा की जाती हैं। लखनऊ से शुरू हुए ऑफलाइन इवेंट्स के माध्यम से इन कहानियों को जीवन्त बनाकर त्राया का उद्देश्य अपनी कम्युनिटी से और गहरा व्यक्तिगत जुड़ाव बनाना है और दूसरों को यह दिखाना है कि बदलाव न केवल संभव है, बल्कि वह हो रहा है। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए त्राया की फाउंडर सलोनी आनंद ने कहा, त्राया होप स्टोरीज के पहले ऑफलाइन संस्करण की मेजबानी करना मेरे लिए बेहद विनम्र और यादगार अनुभव रहा। हमें जो प्यार और ऊर्जा सीधे लोगों से मिली, उसने एक बार फिर यह साबित किया कि त्राया का अस्तित्व क्यों है, ताकि हम अपने ग्राहकों को हमेशा केंद्र में रख सकें। इन ऑफलाइन कनेक्शनों के माध्यम से हमारा उद्देश्य और अधिक जिंदगियां बदलना और दूसरों को प्रेरित करना है। त्राया का थ्री-साइंस अप्रोच केवल हेयर लॉस को हल करने के लिए नहीं है, बल्कि यह लोगों को उनका आत्मविश्वास वापस दिलाने और खुद से फिर से जुड़ने में मदद करने का प्रयास है, खासकर तब, जब बालों का स्वास्थ्य हाथ से निकलता हुआ महसूस होता है।पिछले कुछ वर्षों में त्राया ने भारत में हेयर लॉस ट्रीटमेंट को देखने का नजरिया ही बदल दिया है। पारंपरिक रूप से इस क्षेत्र में देखभाल बिखरी हुई थी। लोगों को डमेटोलॉजी, आयुर्वेद या न्यूट्रिशन में से किसी एक को चुनना पड़ता था, क्योंकि एकीकृत समाधान उपलब्ध नहीं था। त्राया ने सबसे पहले एक यूनिक तीन विज्ञान दृष्टिकोण शुरू किया, जो आधुनिक डमेटोलॉजी, आयुर्वेदिक ज्ञान और न्यूट्रिशन सपोर्ट को एक साथ मिलाकर एक व्यक्तिगत और परिणाम-केंद्रित योजना प्रदान करता है। हर सफर एक साधारण ऑनलाइन हेयर टेस्ट से शुरू होता है, जो मूल कारणों की पहचान करता है। चाहे वह तनाव हो, आंतों का स्वास्थ्य, नींद का चक्र या हार्मोनल असंतुलन। इन जानकारियों के आधार पर, त्राया एक कस्टमाइज्ड किट तैयार करता है और पूरे सफर में एक्सपर्ट हेयर कोच के जरिए लगातार मार्गदर्शन भी देता है। इस अनोखे संयोजन ने न केवल लाखों लोगों के लिए ट्रीटमेंट को सुलभ बनाया है, बल्कि पारंपरिक तरीकों की तुलना में इसे तीन गुना अधिक प्रभावी भी सिद्ध किया है। अन्य शहरों की तुलना में लखनऊ ने अलग पैटर्न दिखाए हैं। त्राया के आंतरिक शोध के अनुसार, भारत में लगभग 95: लोग बालों से जुड़ी समस्याओं के लिए कभी पेशेवर मदद नहीं लेते और सालों तक घरेलू नुस्खों पर निर्भर रहते हैं, जब तक कि उन्हें कोई व्यवस्थित समाधान न मिल जाए। हालांकि, लखनऊ की खासियत यह है कि यहां के ग्राहक एक बार त्राया के साथ ट्रीटमेंट शुरू करने के बाद बेहद अनुशासित रहते हैं। यहां के यूजर्स न सिर्फ लगातार ट्रीटमेंट का पालन करते हैं, बल्कि सक्रिय रूप से अपने हेयर कोचेज से सपोर्ट लेते हैं और अपनी योजनाओं के प्रति लंबी अवधि की प्रतिबद्धता दिखाते हैं। यही समर्पण त्राया की कुछ सबसे मजबूत सक्सेस स्टोरीज में बदल गया है और पिछले 2/3 साल में लखनऊ को इसके सबसे तेजी से बढ़ते टियर-2 बाजारों में से एक बना दिया है। भारत में हेयर हेल्थ अब स्किनकेयर और फिटनेस की तरह एक मुख्यधारा की वेलनेस चिंता के रूप में उभर रही है। बढ़ती जागरूकता और समय पर हस्तक्षेप के चलते लोग अब अस्थायी समाधानों से हटकर समग्र और रूट-कॉज ड्रिवन समाधानों की ओर बढ़ रहे हैं। आने वाले पांच साल में यह बदलाव और भी स्पष्ट हो जाएगा, और त्राया इस परिवर्तन की अगुवाई कर रहा है। ऐसे संवादों को आगे बढ़ाकर जो हेयर लॉस ट्रीटमेंट को सेल्फ-केयर का एक सामान्य और स्वाभाविक हिस्सा बनाने में मदद करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

पलासियो मॉल में गोली चली, महिला समेत 4 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित पलासियो मॉल में शुक्रवार की रात गोली चल गई। बाउंसर से विवाद बढ़ने के बाद फायरिंग की नौबत आ गई। यह घटना मॉल के अंदर एक क्लब में हुई। विवाद बढ़ते ही कुछ लोगों ने हवाई फायरिंग कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हवाई फायरिंग करने वाली एक महिला के साथ 3 और लोगों को गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय पुलिस के अनुसार, बाउंसर की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। टॉनिक क्लब में कार्यरत बाउंसर से मामूली कहासुनी हुई और बाहर आने पर मॉल के भी बाउंसर से आरोपियों ने मारपीट की थी। आरोपियों में हर्ष मिश्रा, प्रिंस वर्मा और एक महिला शामिल है। इनके अलावा संत कबीर नगर का रोहित पटेल नाम का व्यक्ति भी है। मारपीट में बाउंसर पुरुषोत्तम और अनुज चौधरी घायल हुए। दोनों की हालत खतरे से बाहर है। घटना रात करीब 1 से 2 बजे की बीच की है। घायलों को पहले गोसाईगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां से उन्हें सिविल अस्पताल भेज दिया गया।

एक घर से लाखों के जेवर चोरी, दूसरे घर में नाकाम, परिवार को कमरे में बंद किया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के महिगवां थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। शनिवार रात चोरों ने गोरवामऊ गांव में दो घरों को निशाना बनाया। मुकेश मिश्रा के घर से चोर लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात ले उड़े। चोरों ने मुकेश मिश्रा के घर से सोने का हार, मांग टीका, कान का झाला और मंगलसूत्र चुराया। इसके अलावा चांदी की दो जोड़ी पायजेब, दो सोने की अंगूठी और सोने की चौन भी ले गए। इसी रात चोर पड़ोस में रहने वाले अखिलेश मिश्रा के घर भी घुसे। छत पर लगा दरवाजा उखाड़कर घर में घुसे चोरों ने सो रहे परिजनों के कमरे को बाहर से ताला लगाकर बंद कर दिया। परिजनों की नींद खुली और उन्होंने शोर मचाया। आवाज सुनकर ग्रामीण जाग गए और चोर भाग निकले। लगातार हो रही चोरियों से क्षेत्र के ग्रामीण भयभीत हैं। पुलिस की गश्त व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। चोरों पर अंकुश लगाने में पुलिस अब तक नाकाम साबित हुई है।

प्लॉट की रजिस्ट्री नहीं करने वाली कंपनी पर एफआईआर

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में एक प्रॉपर्टी कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। देवरिया के घनश्याम पांडेय ने डीसीपी दक्षिणी को शिकायत दी है। आरोप है कि लीड्स इन्फ्रा कंपनी ने उन्नाव के मकदूमपुर में 1500 वर्गफीट का प्लॉट बेचने का अनुबंध किया था। कंपनी की डायरेक्टर रोली चौहान से जून 2015 में 2.70 लाख रुपए में प्लॉट का सौदा हुआ था। पीड़ित ने सितंबर 2016 तक 2.54 लाख रुपए चेक से जमा कर दिए। बाकी 15,997 रुपए जमा करने पर कंपनी रजिस्ट्री के लिए टालती रही। परेशान होकर जब पीड़ित कानपुर रोड स्थित कंपनी के दफ्तर पहुंचे तो वहां ताला लटका मिला। कर्मचारियों से भी संपर्क नहीं हो सका। जांच में पता चला कि कंपनी अब पालम स्टेट के नाम से काम कर रही है। पीड़ित का आरोप है कि कंपनी निवेशकों को गुमराह करने के लिए समय-समय पर अपने डायरेक्टर बदलती रही। डीसीपी दक्षिणी के आदेश पर सरोजनी नगर पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक डीसीपी, पांच एडीसीपी और एक एसीपी बदले गए, जितेंद्र दूबे मध्य भेजे गए

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के पुलिस कमिश्नरेट में शनिवार को बड़ा फेरबदल किया गया। सात अफसरों के तबादले कर उन्हें नई तैनाती दी गई है। इसमें एक डीसीपी, पांच एडीसीपी और एक एसीपी शामिल हैं। महिला अपराध, अपराध, मुख्यालय, पूर्वी, मध्य और उत्तरी जोन के साथ-साथ बीकेटी सर्किल में नए चेहरे जिम्मेदारी संभालेंगे। अब तक मध्य जोन में तैनात एडीसीपीध्डीसीपी ममता रानी चौधरी को पुलिस उपायुक्त महिला अपराध बनाया गया है। अपर पुलिस उपायुक्त लखनऊ रहे गोपी नाथ सोनी को अब मुख्यालय भेजा गया है। वहीं मुख्यालय की जिम्मेदारी संभाल रहे किरण यादव को एडीसीपी अपराध बनाया गया है। एडीसीपी अपराध अमित कुमारत को नई जिम्मेदारी देते हुए पूर्वी जोन भेजा गया है। उत्तरी जोन के एडीसीपी जितेन्द्र कुमार दूबे को अब मध्य जोन का चार्ज सौंपा गया है। बीकेटी में एसीपीध्एडीसीपी के रूप में तैनात डॉ. अमोल मृस्कूट को अब उत्तरी जोन की जिम्मेदारी दी गई है। सहायक पुलिस आयुक्त यातायात ज्ञानेन्द्र सिंह को बीकेटी सर्किल का नया एसीपी बनाया गया है।

लुटेरों का स्कूटी से पीछा करने में डाले के नीचे आने से मौत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गुडंबा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह लूट की वारदात ने एक व्यक्ति की जान ले ली। चेन छिनने के बाद वह लुटेरों का स्कूटी से पीछा करने लगे थे। 80 की स्पीड से स्कूटी चल रही थी। स्लिप हुई तो वह गिरकर डाले के नीचे चले गए और मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अतुल कुमार जैन के रूप में हुई है। वह जिम जाने के लिए निकले थे। इस घटना की सीसीटीवी फुटेज सामने आई है। हालांकि, उनकी स्कूटी के पीछे भी एक बाइक आती दिख रही है। बताया जा रहा है कि चेन छीनने के दौरान हुई धक्का-मुक्की में संतुलन खो गया और अतुल सड़क पर घिसटते हुए डाले से टकरा गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

विज्ञान नगरी के 36वें स्थापना दिवस कार्यक्रमों का हुआ भव्य समापन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के अलीगंज स्थित आंचलिक विज्ञान नगरी की स्थापना की 36वी वर्षगांठ विज्ञान नगरी में धूमधाम से मनायी गयी। सात सितम्बर से इक्कीस सितम्बर तक यह वर्षगांठ एक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। जिसमे आम जनमानस तथा स्कूली बच्चों के लिये विभिन्न कार्यक्रमों व जागरूकता कार्यक्रमों को आयोजित किया जाता है। इस अवधि में क्विज, पोस्टर, बेस्ट आफ द वेस्ट, आकाश दर्शन, वैज्ञानिक लैक्चर, फिल्म शो सहित अनके कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों की प्रतिभागिता रहती है। इस दौरान स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण तथा हिन्दी पखवाड़ा जैसे कार्यक्रम भी कराये जाते है। विज्ञान नगरी के विज्ञान शिक्षा अधिकारी राम कुमार ने बताया कि 7 सितम्बर के दिन विज्ञान केन्द्र की स्थापना हुयी तथा 21 सितम्बर के दिन इस केन्द्र को विज्ञान नगरी के रूप में मान्यता मिली थी। समापन के दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं के बच्चों को ट्राफी, प्रमाण-पत्र, मेडल तथा उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजधानी के विभिन्न विद्यालयों के बच्चें उपथित थें।

सम्पादकीय

जीवन की सार्थकता-समाजिक कल्याण और परमार्थ

मनुष्य में उत्साह से जीवन जीने की जिजीविषा होनी चाहिए। जीवन में आकस्मिक परिवर्तनशीलता और निरंतर विकास की संभावनाओं की तलाश होती रहनी चाहिए। जो मनुष्य जीवन मानव जाति एवं समाज के समग्र कल्याण के लिए जीता है वह जीवन को सार्थकता की ओर अग्रसर करता है। शास्त्रों में पुनर्जन्म की व्याख्या की गई है यदि इस जन्म अच्छा कार्य करेंगे तो अगले जन्म आपको पुनः मनुष्य की योनि प्राप्त होगी और आप फिर से मनुष्य के रूप में जन्म लेंगे, पर मेरा यह मानना है की वर्तमान जीवन ही पहला और अंतिम जीवन है इसलिए आने वाले जन्मों की परिकल्पना में यथार्थ से दूर भागना एक मिथ्या की तरह है। वर्तमान जीवन ही यथेष्ट है और इस जीवन में ही सर्वश्रेष्ठ अवदान देकर इस जीवन को मानव जीवन के कल्याण एवं सामाजिक व्यवस्था की बेहतरी के लिए किया गया कार्य ही जीवन की सफलता होगी। व्यक्ति के जीने के अलग-अलग दृष्टिकोण और उद्देश्य हो सकते हैं अलग-अलग लक्ष्य की प्राप्ति भी मनुष्य के जीवन की अवधारणा हो सकती है, कोई आर्थिक लाभ एवं धन उपार्जन को अपने जीवन का लक्ष्य मानकर चलता है, और कोई इज्जत आबरु और सम्मान के प्रति आकर्षण में बंध कर राजनीति के उच्चतम शिखर पर पहुंचने की कामना के प्रयास में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां करने के प्रयास में रहता है। कोई विज्ञान के प्रति, कोई व्यवसाय के प्रति, कोई कला के प्रति, कोई संस्कृति के प्रति जीवन जी कर लोगों से आगे निकलने का प्रयास करता है। जीवन के लक्ष्य जो भी हो पर उसमें प्रयासों की शुद्धता एवं सार्थकता सबसे ज्यादा मायने रखती है। मनुष्य को जिंदगी में उच्च मनोबल साहस संयम और तपस्या के साथ अपने जीवन के उद्देश्यों की पूर्ति का प्रयास करना चाहिए। जीवन में कार्य करने की प्रेरणा समसामयिक परिस्थितियों से जूझने की इच्छा शक्ति एवं असफलता में ना घबराने तथा प्रयास के लिए सदैव तत्पर रहने की अदम्य जिजीविषा के साथ संघर्ष में विजयी होने की कामना भी होनी चाहिए। मनुष्य के जीने की स्वच्छंद प्रवृत्ति केवल मनुष्य को आनंद एवं आम संतोष प्रदान कर सकती है पर ईश्वर के बनाए मनुष्य की परिणति सर्वथा इसके विपरीत है, मनुष्य को सदैव प्रयत्नशील होकर मानवीय संवेदनाओं को सहेज कर जगत के कल्याण के बारे में तन मन धन से प्रयास करना चाहिए तभी मनुष्य के जीने का लक्ष्य संपूर्ण रूप से प्राप्त हो सकता है। विभिन्न चिंतकों का मानना है कि जिंदगी एक रंगमंच है और हम सब अलग-अलग किरदार की तरह उसे निभाते चले जाते हैं। पर इस किरदार को निभाने में सच्चाई ईमानदारी प्रयत्नशीलता एवं संघर्षों के प्रति साहस जिंदगी को रुचिकर बनाकर आगे बढ़ने के प्रयास को द्विगुणित करते हैं। वैसे जीवन में सफलता और असफलता दोनों ही सिक्के के दो पहलू हैं और सफलता तथा असफलता को एक ही ही उत्साह से स्वीकार करने वाला व्यक्ति सफल व्यक्तित्व का मालिक हो सकता है। जीवन में यदि लोभ,कामना,स्पृहा, लालच से यदि बचकर आगे बढ़ा जाए तो जीवन सात्विक तौर पर दार्शनिक जीवन माना जा सकता है पर ऐसे जीवन में आर्थिक तंत्र अत्यंत मजबूत हो इसकी कोई निश्चिंतता का कोई निश्चित परिणाम नहीं होता है। इसीलिए मनुष्य को सदैव आध्यात्मिक चिंतन,मनन, धर्म, संस्कृति और आर्थिक लाभ से सामंजस्य बनाकर समाज के निचले तबके के व्यक्ति के लिए समर्पित जीवन ही एक जीवन के मूल उद्देश्य का परिणाम हो सकती है। जीवन को रंगमंच की तरह जीने वाले और ऐसे नजरिया को अपनाने वाले व्यक्ति को क्षणवादी माना जा सकता है जो जीवन के प्रत्येक क्षण को पूर्णता वादी नजरिए से देखते हैं ऐसे ही लोग परिवर्तन को सबसे बड़ा सत्य मानते हैं और इनका उद्देश्य परिवर्तन ही सबसे बड़ा परिवर्तनशील कारक होता है। जीवन में आने वाला हर पल अनिश्चित होता है इसका यह कतई आशाय नहीं है कि हम अपने आप को भाग्य के भरोसे छोड़ दें और कर्म को त्याग दें। यह निश्चित तौर पर सत्य है कि कर्म और भाग्य दोनों समानांतर चलने वाली प्रक्रिया है और कर्म से भाग्य को बदला जा सकता है और अपने लक्ष्य की प्राप्ति में इन दोनों का सामंजस्य पूर्वक संतुलन बनाकर उपयोग मनुष्य के जीवन की प्राप्ति का एक साधन बन सकता है। कर्म के साथ परिणामों को बहुत महत्व दिए जाने की आवश्यकता नहीं है यदि परिणाम व्यक्ति के अनुरूप नहीं होते तो निराशा की संभावना ज्यादा बलवती होती है इन परिस्थितियों में जीवन में सदैव कर्मशील रहकर सकारात्मक सोच के साथ जीवन को निरंतर चलाएं मान गतिमान रखने का अथक तथा निरंतर प्रयास किया जाना चाहिए तब ही आप अपने जीवन के सद उद्देश्यों की प्राप्ति कर सकते हैं।

चुनौती नहीं अवसर है ट्रंप की वीजा नीति, 'इंडियन ब्रेन' अब भारतीय कंपनियों में ऊर्जा लगाएँ और देश को आगे बढ़ाएँ

दरअसल, ट्रंप प्रशासन का दावा है कि अमेरिकी नौकरियों की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता है। उनके अनुसार, जब अमेरिकी विश्वविद्यालय हर साल लाखों ग्रेजुएट पैदा कर रहे हैं तो कंपनियों को चाहिए कि वे उन्हीं को प्रशिक्षित करें और काम दें। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच-1बी वीजा को लेकर जो नया कदम उठाया है, वह केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं बल्कि वैश्विक प्रतिभा प्रवाह की दिशा बदलने वाला निर्णय सिद्ध हो सकता है। इस नीति के अंतर्गत हर वर्ष एच-1बी वीजा के लिए कंपनियों को एक लाख डॉलर (लगभग 83 लाख रुपये) शुल्क देना होगा। यह राशि वर्तमान ढांचे की तुलना में कई गुना अधिक है और सीधे-सीधे उन कंपनियों पर बोझ डालेगी जो भारतीय और चीनी पेशेवरों पर निर्भर हैं। दरअसल, ट्रंप प्रशासन का दावा है कि अमेरिकी नौकरियों की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता है। उनके अनुसार, जब अमेरिकी विश्वविद्यालय हर साल लाखों ग्रेजुएट पैदा कर रहे हैं तो कंपनियों को चाहिए कि वे उन्हीं को प्रशिक्षित करें और काम दें। यह कदम उनके अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का हिस्सा है। इसके साथ ही, प्रोजेक्ट फायरवॉल नामक नई पहल भी शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य कंपनियों द्वारा वीजा दुरुपयोग पर रोक लगाना है। ट्रंप का कहना है कि अब तक एच-1बी वीजा का इस्तेमाल कंपनियां वेतन दबाने और अमेरिकी युवाओं की नौकरियां छीनने के लिए करती रही हैं। नई व्यवस्था में कंपनियों को भारी-भरकम शुल्क चुकाना होगा, जिससे वे विवश होकर स्थानीय कर्मचारियों को प्राथमिकता देंगी। हम आपको बता दें कि अमेरिका की अधिकांश टेक कंपनियां– जिनमें माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, मेटा और जेपी मॉर्गन जैसी दिग्गज शामिल हैं, वह भारतीय प्रतिभाओं पर काफी हद तक निर्भर हैं। केवल 2025 की पहली छमाही में ही अमेजन और उसकी क्लाउड इकाई अहर ने 12,000 से अधिक एच-1बी वीजा मंजूर करवाए। देखा जाये तो भारत अकेले लगभग 71% एच-1बी वीजा का लाभार्थी है। टेक कंपनियों का तर्क है कि अमेरिकी विश्वविद्यालय इतनी मात्रा में कुशल इंजीनियर और प्रोग्रामर तैयार नहीं कर पा रहे जो उनकी जरूरत पूरी कर सकें। इस स्थिति में भारतीय और अन्य एशियाई देशों के पेशेवर ही उनकी रीढ़ बने हुए हैं। अब ट्रंप के नये फैसले के बाद विशेषज्ञों का कहना है कि शुल्क बढ़ाने से अमेरिका अपनी नवाचार क्षमता खो सकता है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), सेमीकंडक्टर और एडवांस टेक्नोलॉजी की होड़ में चीन से पिछड़ सकता है। ट्रंप के फैसले का भारत पर क्या असर होगा यदि इसकी चर्चा करें तो आपको बता दें कि भारत इस नीति से सबसे अधिक प्रभावित होगा क्योंकि हर साल हजारों भारतीय इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक और वित्त विशेषज्ञ एच-1बी वीजा के जरिए अमेरिका जाते हैं। देखा जाये तो भारतीय युवाओं के लिए अमेरिकी नौकरी बाजार का दरवाजा सीमित हो जाएगा। इससे उनके सपनों पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा, इंफोसिस, विप्रो और टीसीएस जैसी कंपनियां अमेरिकी प्रोजेक्ट्स के लिए बड़ी संख्या में भारतीय कर्मचारियों को अमेरिका भेजती रही हैं। नई नीति से इनकी लागत बढ़ेगी और प्रोजेक्ट्स की गति धीमी पड़ सकती है। साथ ही ट्रंप के फैसले का सबसे बड़ा असर यह हो सकता है कि अब तक जो उच्च कुशल प्रतिभा अमेरिका चली जाती थी, वह भारत में ही रहकर यहां की कंपनियों के लिए काम करेगी। देखा जाये तो ट्रंप के फैसले को केवल नकारात्मक रूप से नहीं देखा जाना चाहिए। भारत के लिए यह एक अवसर भी है। अब तक देखा गया है कि भारतीय मूल के कई दिग्गज अमेरिकी कंपनियों में शीर्ष पदों पर पहुंचे हैं। जैसे सत्य नडेला यदि यही प्रतिभा भारत में रहकर देश की कंपनियों को आगे बढ़ाती तो भारत की वैश्विक स्थिति कहीं और होती। देखा जाये तो जब वैश्विक दरवाजे सीमित होंगे तो भारत में स्टार्टअप कल्चर और मजबूत हो सकता है। भारत सरकार के पास यह मौका है कि वह उच्च कुशल पेशेवरों को आकर्षित करने के लिए टैक्स लाभ, बेहतर रिसर्च सुविधाएँ और आसान कारोबारी वातावरण उपलब्ध कराए। यदि भारत सरकार मजबूत फ्रेमवर्क ऊढांचा विकसित करे तो भारतीय युवाओं को अमेरिका जाने की आवश्यकता कम होगी। इसके अलावा, अमेरिका में काम करने वाली भारतीय प्रतिभा यदि भारत लौटती है तो सरकार को ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिससे ये लोग यहां की कंपनियों को आगे बढ़ाएं। साथ ही, उच्च कौशल वाले पेशेवरों को टैक्स में छूट, आसान फंडिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर मुहैया कराकर भारतीय उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि ट्रंप का यह निर्णय अमेरिका के लिए शायद तत्कालिक राजनीतिक लाभ ला सकता है, लेकिन दीर्घकाल में यह कदम उसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में कमजोर कर सकता है। दूसरी ओर, भारत को इसे अवसर के रूप में देखना चाहिए। अब तक कुशल भारतीय पेशेवरों का मस्तिष्क और मेहनत अमेरिकी कंपनियों के लिए संपत्ति बनता रहा है। यदि यही प्रतिभा भारत में रहकर भारतीय कंपनियों के लिए काम करे तो न केवल भारतीय उद्योग जगत बल्कि पूरे राष्ट्र की प्रगति तेज हो सकती है। आज भी गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, आईबीएम और वर्ल्ड बैंक जैसे वैश्विक संस्थानों के शीर्ष पदों पर भारतीय बैठे हैं। अगर यही इंडियन ब्रेन भारत की कंपनियों में अपनी ऊर्जा लगाएँ, तो इसका लाभ सीधे भारत की अर्थव्यवस्था और समाज को मिलेगा। भारत सरकार को चाहिए कि इसे अवसर मानकर उच्च कौशल वाले पेशेवरों के लिए सुविधाजनक माहौल और प्रोत्साहन तैयार करे। बहरहाल, ट्रंप की यह नीति भारत के लिए मस्तिष्क पलायन को रोकने और प्रतिभा को देश में ही बनाए रखने का सुनहरा अवसर साबित हो सकती है।

चुनाव से पहले ही बिखर जाएगा लालू यादव का परिवार? - बेटे के बाद अब बेटी भी बोल पड़ी

तेज प्रताप के प्रकरण के बाद अब लालू यादव को किडनी देकर लोकप्रिय होने वाली उनकी बेटी रोहिणी आचार्य के बयानों ने भी लालू यादव के परिवार में चल रहे उठा-पटक और घमासान को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। बिहार में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है, वैसे-वैसे लालू यादव के परिवार में घमासान तेज होता जा रहा है। लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को किस तरह से पार्टी (आरजेडी) और परिवार से बाहर निकाला गया था, यह सब जानते हैं। उसके बाद से ही तेज प्रताप यादव ने अपने भाई तेजस्वी यादव के करीबियों के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। तेज प्रताप यादव ने कई मौकों पर बिना नाम लिए तेजस्वी यादव के करीबी और राज्यसभा सांसद संजय यादव पर निशाना साधते हुए उन्हें 'जयचंद' तक बता दिया। बिहार की राजनीति और खासकर लालू यादव के परिवार से जुड़े लोगों को यह लगता है कि संजय यादव के कारण ही तेज प्रताप को अपने ही परिवार से बाहर होना पड़ा। तेज प्रताप के प्रकरण के बाद अब लालू यादव को किडनी देकर लोकप्रिय होने वाली उनकी बेटी रोहिणी आचार्य के बयानों ने भी लालू यादव के परिवार में चल रहे उठा-पटक और घमासान को एक बार फिर से उजागर कर दिया है। तेज प्रताप के बाद लालू यादव की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य ने भी संजय यादव को निशाने पर ले लिया है। लालू यादव के परिवार में इस बार बवाल की शुरूआत गुरुवार को उस तस्वीर से हुई, जिसमें बिहार अधिकार यात्रा के दौरान बस में सबसे आगे वाली तेजस्वी यादव की सीट पर संजय यादव बैठे हुए नजर आए। संजय यादव की यह तस्वीर सामने आते ही बिहार की राजनीति में हंगामा खड़ा हो गया। तेजस्वी यादव की सीट पर संजय यादव के बैठने वाली तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद एक सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए एक्स पर पोस्ट कर लिखा, फ्रंट सीट हमेशा शीर्ष नेता के लिए ही होती है। अगर कोई अपने आप को शीर्ष नेतृत्व से भी ऊपर समझ रहा है तो अलग बात है। इस फ्रंट सीट पर लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव को बैठते देखने के लोग अभ्यस्त हैं। उनकी जगह पर कोई और बैठे यह हमें तो कतई मंजूर नहीं। सिंगापुर में रहने वाली लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य इस पोस्ट को रिपोस्ट कर देती हैं। इससे यह साफ-साफ नजर आने लगता है कि लालू यादव के परिवार के लोग भी पारिवारिक मामलों में संजय यादव के बढ़ते हस्तक्षेप से खुश नहीं है। इससे लालू यादव के परिवार में राजनीतिक बवाल खड़ा हो जाता है। तेजस्वी यादव के नाराजगी जताने के बाद लालू यादव और राबड़ी देवी भी सक्रिय होकर डैमेज कंट्रोल की कोशिश में जुट जाते हैं। इसके बाद रोहिणी आचार्य से सोशल मीडिया पर एक और पोस्ट करवाया जाता है, जिसमें वह अपनी ही पार्टी के कुछ अन्य पिछड़ी जाति के नेताओं के तेजस्वी की सीट पर बैठने की तस्वीर शेयर करते हुए लिखती हैं कि, वंचितों और समाज के आखिरी पायदान पर खड़े लोगों को आगे लाना ही लालू प्रसाद के सामाजिक और आर्थिक न्याय के अभियान का मकसद रहा है। इन तस्वीरों में समाज के इन्हीं तबके से आने वालों को आगे बैठे देखना सुखद अनुभूति है। जितनी तेजी से लालू यादव ने मैदान में उतर कर डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की और इससे पहले जितनी तेजी से उन्होंने सोशल मीडिया पर उतर कर अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को परिवार और पार्टी दोनों से निकालने का पोस्ट किया था। उससे दो बातें तो बिल्कुल साफ-साफ नजर आ रही है। पहली बात तो यह है लालू यादव के परिवार में सब कुछ ठीक ठाक नहीं चल रहा है और इसके लिए उनके बच्चे उनके ही बेटे तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव को जिम्मेदार बता रहे हैं। दूसरी सबसे अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि बिहार की राजनीति के धुरंधर नेता रहे लालू यादव को इस बात का अहसास बखूबी है कि उनके परिवार में घमासान की जितनी खबरें बाहर आएंगी, विधानसभा चुनाव में उनके गठबंधन की हार उतनी ही तय होती जाएगी। इसलिए लालू यादव हर हाल में विधानसभा चुनाव तक इस बवाल को थामे रखना चाहते हैं। लेकिन यह तय मान कर चलिए कि बिहार में विधानसभा चुनाव का नतीजा चाहे कुछ भी आए लेकिन इसके बाद लालू यादव भी अपने परिवार में जारी उठा-पटक को रोक नहीं पाएंगे। ऐसी सूरत में या तो लालू यादव का परिवार ही बिखर जाएगा या फिर तेजस्वी यादव को संजय यादव को अपने से दूर करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

सांप्रदायिक राष्ट्रवाद और धर्मगुरु

राम पुनियानी

मोहन भागवत पिछले कुछ महीनों से चर्चा में हैं। पहले तो उन्होंने अस्पष्ट रूप से संकेत दिया कि लोगों को 75 साल की उम्र में सेवानिवृत्त हो जाना चाहिए। इसे मोदी के इस सितंबर में 75 साल के होने पर सत्ता छोड़ने के संकेत के रूप में लिया गया। फिर विज्ञान भवन में अपने तीन व्याख्यानों में उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका ऐसा कोई आशय नहीं था। उनका अपना 75 वाँ जन्मदिन 12 सितंबर 2025 को मनाया जाना था। इस कार्यक्रम की खास बात श्री श्री रविशंकर (एसएसआर) की उपस्थिति थी, जिन्हें आध्यात्मिक गुरु और उभरते हुए बाबाओं के समूह का प्रमुख व्यक्ति माना जाता है। एसएसआर दावा करते रहे हैं कि उन्हें राजनीति की दुनिया में कोई दिलचस्पी नहीं है और उनकी मुख्य चिंताएँ आध्यात्मिक हैं। आर्ट ऑफ लिविंग के अंतर्गत उनका एक विशाल साम्राज्य है और अधिकांश बाबाओं की तरह, उनके द्वारा अर्जित संपत्ति भी अपार है। यह एक विरोधाभास है। उनमें से अधिकांश यह उपदेश देते हैं कि धन, संसार एक भ्रम है और इसके पीछे नहीं भागना चाहिए। जैसा कि होता है, वे स्वयं भी अपार अचल संपत्ति और अन्य संपत्ति अर्जित करते हैं। एसएसआर ने सुदर्शन क्रिया को अपनी शिक्षाओं के प्रमुख घटक के रूप में प्रस्तुत किया और लाखों अनुयायियों को आकर्षित किया। एसएसआर ने व्यवस्थित योगों के साथ श्आर्ट ऑफ लिविंगश की भी स्थापना की है जो कई लोगों को आकर्षित करती है।उन्होंने 2017 में एक सांस्कृतिक उत्सव आयोजित किया था जिसमें यमुना नदी को भारी पारिस्थितिक क्षति हुई थी। पारिस्थितिक न्यायाधिकरण ने सुशांत सिंह राजपूत पर करोड़ों का जुमार्ना लगाया था, जिसे उन्होंने चुकाने से इनकार कर दिया। जब आरएसएस ने कथित तौर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना आंदोलन चलाया, तो एक तरफ सुशांत सिंह राजपूत बहुत सक्रिय थे और दूसरी तरफ से एक और बाबा रामदेव भी सक्रिय थे। भाजपा,आरएसएस से घनिष्ठ संबंध रखने वाले दूसरे धर्मगुरु बाबा रामदेव हैं। उन्होंने योग शिक्षक के रूप में शुरूआत की और पतंजलि ब्रांड के साथ एक बेहद सफल उद्यमी बने। सत्ताधारियों के साथ उनकी निकटता ने उन्हें अपने व्यापारिक साम्राज्य को आसमान तक फैलाने में मदद की है। उनके योग कार्यक्रम लाखों लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। कोविड के दौरान, उन्होंने कोरोना से उपजे संकट का पूरा फायदा उठाते हुए नई दवाओं के लॉन्च के चिकित्सा मानदंडों का उल्लंघन करते हुए अपना ब्रांड श्कोरोनिलश लॉन्च किया। उनके ब्रांड को दो केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों, हर्षवर्धन और नितिन गडकरी ने लॉन्च किया था। आधुनिक विज्ञान और एलोपैथी का उनका दुरुपयोग इतना स्पष्ट था कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने उन्हें अदालत में घसीटा और उन्हें माफी मांगने के लिए मजबूर होना पड़ा। रूह अफजा जैसे अपने उत्पाद को लॉन्च करते समय उनकी मुस्लिम विरोधी बयानबाजी ने उन्हें फिर से मुश्किल में डाल दिया और उन्होंने फिर से बड़े पैमाने पर माफी मांगी। सत्ता के केंद्रों के साथ उनकी निकटता उनके लिए पैसा कमाने और मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने में एक बड़ी सुरक्षा छतरी है। कई और लोग भी इस क्षेत्र में छाए हुए हैं। इस क्षेत्र में सबसे नया नाम बागेश्वर बाबा, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का है, जो बीस साल के एक युवा हैं। उनका दावा है कि वे लोगों का अतीत बता सकते हैं। उनके इस दावे को अंध-आस्था के खिलाफ काम करने वाले श्याम मानव ने झूठा बताया। जब मानव ने नागपुर में उन्हें चुनौती दी, तो वे जल्दी से अपना शिविर समेटकर बागेश्वर भाग गए। श्री मोदी उन्हें अपना छोटा भाई कहते हैं। अब वे एक हिंदू गाँव बनाने की योजना बना रहे हैं जहाँ सिर्फ हिंदू ही बसेंगे। यह सच है कि बाबाओं और आरएसएस के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। जहाँ तक आरएसएस के एजेंडे का सवाल है, बाबा सभी मिलकर आरएसएस के हिंदू राष्ट्र के एजेंडे से सहमत हैं, जो जाति और लिंग के पदानुक्रम को मजबूत करना है, जो जन्म-आधारित होना चाहिए। धर्मगुरु पुरोहिती से जुड़े पारंपरिक पादरी नहीं हैं। उन्होंने लोगों को आकर्षित करने के लिए अपने तरीके ईजाद किए हैं। पारंपरिक ज्ञान से, अपनी कल्पना से, वे ऐसे वाक्यांश गढ़ते हैं जो उनकी पहचान का केंद्र बन जाते हैं। अपनी कला में उनका आत्मविश्वास अद्भुत है और वे आम तौर पर बहुत प्रभावी वक्ता होते हैं। इस गिरोह का एक काला पहलू भी है। शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती के आश्रम में शंकररमन की हत्या हुई थी और उन पर आश्रम के कार्यकर्ता शंकररमन की हत्या का आरोप था। सत्य साईं बाबा के प्रशांति निलयम में भी एक हत्या का मामला दर्ज था। जब जयेंद्र सरस्वती हत्याकांड में आरोपी थे, तब अटल बिहारी वाजपेयी और आसाराम बापू धरने पर बैठे थे। गुरमीत राम रहीम अपनी काली करतूतों को जारी रखे हुए था, उसके काले कारनामों को उजागर करने के लिए एक पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या कर दी गई । आखिरकार बड़ी मुश्किल से कानून ने उसे पकड़ा और फिलहाल वह जेल में है, बल्कि ज्यादातर समय पैरोल पर ही रहता है । आसाराम बापू के आश्रम में दो छोटे लड़कों की हत्या हुई थी। नरेंद्र मोदी बापू के आश्रम के आगंतुक थे और अटल बिहारी वाजपेयी ने 2008 में लखनऊ में आसाराम के साथ नृत्य किया था । 2014 के हरियाणा चुनावों में गुरमीत राम रहीम ने अपने अनुयायियों से भाजपा को वोट देने की अपील की थी।

ड्रोन और ड्रग्स

यह अच्छी बात है कि केंद्र की राजग सरकार ने वर्ष 2047 तक भारत को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। राज्य सरकारों ने भी प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प को भरपूर समर्थन का वायदा किया है। हालांकि, यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य तब तक हासिल नहीं किया जा सकता है, जब तक कि अंतर्राष्ट्रीय साजिश से नशे के संकट को झेल रहे राज्यों में सबसे संवेदनशील पंजाब के हालात पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है। पंजाब में सीमा पार से चलाये जा रहे नशे के कारोबार की साजिश से पंजाब किस हद तक त्रस्त है, इस सप्ताह की शुरूआत में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी की 2024 की रिपोर्ट से वह भयावह तसवीर उभरती है। एनसीबी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले चार वर्षों में पाकिस्तान से इस सीमावर्ती राज्य में आये ड्रग्स से लदे ड्रोनों के देखे जाने और बरामद होने की घटनाओं में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि देखी गई है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने चिंता जतायी है कि सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी के लिये ड्रोन का इस्तेमाल भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिये भी एक बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है। इन हालात को देखकर कानून प्रवर्तन और सीमा सुरक्षा एजेंसियों के हाथ-पांव फूल रहे हैं। दरअसल, चिंता की बात यह है कि ड्रग तस्करी करने वाले गिरोह जोखिम भरे पारंपरिक जमीनी तरीके अपनाने के बजाय हवाई मार्ग से तस्करी को अंजाम दे रहे हैं। यह स्थिति कितनी विकट है नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा पेश आंकड़ों से यह पता चलती है। एनसीबी के अनुसार पिछले साल भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थों की तस्करी के 179 मामले दर्ज किए गए, जिसमें सबसे अधिक 163 मामले पंजाब में थे। उसके बाद राजस्थान में पंद्रह और जम्मू-कश्मीर में एक मामला सामने आया। इससे इस बात में कोई संदेह नहीं रह जाता कि बरामदगी की बहुत ज्यादा घटनाओं के बावजूद पंजाब सीमा पार के नशे तस्करों के लिये सबसे अच्छा विकल्प बना हुआ है। नशा तस्करों के खतरनाक मंसूबे देखिए कि हाल में पंजाब में बाढ़ के दौरान नशा तस्कर आपदा में अवसर तलाशते रहे। इन आपराधिक तत्वों ने हाल में आई बाढ़ का फायदा उठाकर नावों और टायर-ट्यूबों के जरिये भारत में नशीले पदार्थों की तस्करी की है। इसके साथ यह भी चिंताजनक स्थिति है कि विदेशी गैंगस्टर नशीले पदार्थों के देश के तस्करों और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर इस संकट को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जो पंजाब के लोगों के लिये जानलेवा साबित हो रहा है। राज्य में, देश में पकड़ी गई हेरोइन का 45 फीसदी बरामद होना पंजाब की नशे की दलदल की गहराई को दशार्ता है। वहीं राज्य में पिछले साल 2.9 करोड़ नशे की गोलियां बरामद होना बताता है कि नशे का संकट कितना भयावह हो चला है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश में 51 लाख नशे की गोलियां बरामद की गई। पहले व दूसरे नंबर का अंतर भी स्थिति की विकटता को ही दशार्ता है। विडंबना यह है कि राज्य के ग्रामीण इलाकों के युवा हेरोइन और कोकीन के तस्करों के लिये आसान निशाना बन रहे हैं। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने कुछ महीने पहले सही ही कहा था कि नशीले पदार्थों का संकट अब केवल व्यक्तिगत लत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने सार्वजनिक व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून के शासन के लिये खतरा पैदा करना शुरू कर दिया है। निस्संदेह, पंजाब सरकार के युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान को केंद्र सरकार की नशा मुक्त पहल के साथ जोड़ कर चलाया जाना चाहिए। यह स्पष्ट है कि पंजाब में आने वाली नशीली दवाओं की आपूर्ति अब अन्य राज्यों में भी की जा रही है। देश के सीमावर्ती राज्यों पंजाब, असम, मिजोरम, राजस्थान, पश्चिम बंगाल व जम्मू-कश्मीर में यह संकट गहरा रहा है। जहां विदेशों में बैठे नशा तस्करों द्वारा देश में नशे का जहर भेजा जा रहा है। नार्को आतंकवाद से निपटने के लिये केंद्र और राज्य सरकारों के बीच तथा राज्यों के बीच भी बेहतर तालमेल वक्त की जरूरत है।

महाराष्ट्र में रहते हैं देश के सबसे ज्यादा करोड़पति

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र ने देश में सबसे अधिक संपन्न परिवारों वाला राज्य बनने का दर्जा हासिल कर लिया है। मर्सिडीज-बेंज हुरुन इंडिया वेल्थ रिपोर्ट 2025 के अनुसार, राज्य में करोड़पति परिवारों की संख्या बढ़कर 1,78,600 हो गई है। यह 2021 की तुलना में 194 प्रतिशत अधिक है। महाराष्ट्र के जीएसडीपी में हुई 55 प्रतिशत की वृद्धि रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020-21 से अब तक महाराष्ट्र के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (ऋउद्ध) में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, अकेले मुंबई में 1,42,000 करोड़पति परिवार हैं, जिससे यह शहर देश की 'करोड़पति राजधानी' बन गई है। पूरे देश में आठ लाख से अधिक करोड़पति परिवार पूरे भारत में अब 8,71,700 करोड़पति परिवार हैं। इनकी कुल संपत्ति 8.5 करोड़ रुपये या उससे अधिक है। यह 2021 की तुलना में 90 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है।

कभी फैलाई मौत की झूठी खबर; अब रामलीला को लेकर मचा बवाल; जानें कब-कब विवादों में रहीं पूनम पांडे

मॉडल और अभिनेत्री पूनम पांडे अक्सर अपने बड़बोलेपन या किसी ना किसी हरकत को लेकर विवादों में आ जाती हैं। अब एक बार फिर उनके नाम पर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। इस बार वजह बनी है दिल्ली में आयोजित होने वाली लव-कुश की रामलीला, जिसमें पूनम रावण की पत्नी मंदोदरी बनने जा रही हैं। इस चयन के खिलाफ साधु-संतों ने कड़ा विरोध जताया है। हालांकि इससे पहले भी पूनम कई बार विवादों में फंस चुकी हैं या यूं कहें कि उन्होंने खुद ही पछड़ों को न्योता भेजा है। चलिए जानते हैं कब-कब और कैसे पूनम पांडे बनीं कन्ट्रोवर्सी का दूसरा नाम। कपड़े उतारने का वादा पूनम के विवादों की टाइमलाइन पर नजर डालें तो सबसे पहले साल 2011 वर्ल्ड कप के दौरान पूनम पांडे अचानक सुर्खियों में आईं। उन्होंने सोशल मीडिया पर ऐलान किया कि अगर भारत फाइनल जीतता है तो वह स्टेडियम में कपड़े उतारकर टीम को सपोर्ट करेंगी। टीम तो जीती, लेकिन उनका यह बयान बवाल बन गया। उस वक्त खेल से ज्यादा उनकी चर्चा हुई और कई जगह विरोध प्रदर्शन भी देखने को मिला। टीम इंडिया के जीतने के बाद पूनम पांडे कुछ समय तक नजर ही नहीं आईं। फिल्म प्रमोशन के लिए बोल्ड फोटोशूट साल 2013 में अपनी फिल्म के प्रमोशन के दौरान पूनम ने पब्लिसिटी पाने के लिए बेहद बोल्ड फोटोशूट करवाया। इन तस्वीरों को लेकर सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया। आलोचकों ने इसे सस्ती लोकप्रियता का तरीका बताया, जबकि पूनम ने इसे अपने करियर का हिस्सा कहा। खुद की बनाई ऐप पूनम ने साल 2017 में अपना खुद का मोबाइल ऐप लॉन्च किया था। इस ऐप पर उनके बोल्ड वीडियोज और एक्सक्लूसिव तस्वीरें अपलोड की जाती थीं। लेकिन लॉन्च के कुछ ही घंटों बाद गूगल प्ले स्टोर ने इस ऐप को हटा दिया। कारण था- कंटेंट से जुड़ी शिकायतें। इस मामले ने उन्हें एक बार फिर विवादों के घेरे में ला दिया। गोवा में अश्लील शूटिंग साल 2020 में पूनम पांडे पर गोवा पुलिस ने केस दर्ज किया। आरोप था कि उन्होंने एक सार्वजनिक स्थान पर अश्लील वीडियो शूट करवाया। इस घटना के बाद उन्हें गिरफ्तार भी किया गया, हालांकि बाद में जमानत मिल गई। इस मामले ने उन्हें फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया। पति संग पूनम का विवाद 2020 में पूनम ने फिल्म निर्देशक सैम बॉम्बे से शादी की थी। शादी के कुछ ही दिन बाद दोनों के बीच मारपीट की खबरें सामने आईं। पूनम ने पुलिस शिकायत दर्ज कराई और पति पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया। इस विवाद ने उनके निजी जीवन को भी कन्ट्रोवर्सी का हिस्सा बना दिया। पूनम का ड्रेस मालफंक्शन विवाद एक इवेंट के दौरान जब अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल ने पूनम को पब्लिकली गोद में उठा लिया, तो उनकी ड्रेस ज्यादा ऊपर हो गई और मालफंक्शन हो गया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और पूनम को फिर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। झूठी मौत की अफवाह साल 2024 में अचानक खबर आई कि पूनम पांडे का निधन हो गया है। उनके ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट शेयर की गई, लेकिन कुछ घंटे बाद साफ हुआ कि यह सर्वाइकल कैंसर जागरूकता अभियान का हिस्सा था। इस तरह गंभीर बीमारी का नाम लेकर प्रचार करने के लिए पूनम पर जमकर सवाल उठे। उस वक्त पूनम को लेकर कई मीम्स भी बने।

जटाधारा के एक्टर सुधीर बाबू ने भगवान शिव की पेंटिंग के रूप में अपनी कलात्मक श्रद्धांजलि पेश की

डिजिटल। सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा बड़े पर्दे पर लेकर आ रहे हैं बहुप्रतीक्षित महाकाव्यात्मक स्पेक्टेकल जटाधारा। जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित यह फिल्म अपने दमदार टीजर और पोस्टर के लॉन्च के बाद से ही चर्चा का विषय बनी हुई है, जिसने दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा किया है। इस बीच, लीड स्टार सुधीर बाबू ने सबको चौंकाते हुए अपनी छिपी कला प्रतिभा का प्रदर्शन कियाकृ भगवान शिव की एक अद्भुत पेंटिंग बनाकर। अभिनेता ने इस कलाकृति का अनावरण फिल्म की रिलीज डेट 7 नवंबर 2025 के साथ किया। इस विशेष कदम ने फिल्म को लेकर रोमांच और भी बढ़ा दिया है। जटाधारा की आत्मा भगवान शिव की दिव्य प्रेरणा में निहित है, वे जो संहारक भी हैं और सृजनकर्ता भी, रूपांतरण की परम शक्ति। इसी भाव को प्रतीकात्मक रूप देने के लिए सुधीर बाबू ने स्वयं महादेव की एक शक्तिशाली पेंटिंग बनाई। गहरे नीले रंगों में गढ़ी गई यह कलाकृति भगवान शिव के ध्यानमग्न स्वरूप को दशार्ती है, जहाँ उनका पवित्र तीसरा नेत्र उनकी आंतरिक शक्ति और ब्रह्मांडीय ऊर्जा को प्रकट करता है। यह पेंटिंग मात्र कला नहीं हैय यह जटाधारा की आत्मा का प्रतिबिंब है। जैसे शिव स्वयं विनाश और पुनर्जन्म के प्रतीक हैं, वैसे ही यह फिल्म शक्ति, भक्ति और आत्मोन्नति की एक महाकथा बनने का वादा करती है। इस पेंटिंग के अनावरण के साथ सुधीर बाबू ने दर्शकों को उस कथा की झलक दी है, जहां दिव्य पौराणिकता और सिनेमाई भव्यता एक साथ आती हैं।

एयरपोर्ट पर सोनम कपूर का क्लासी अंदाज, गोरे मुखड़े पर ब्लैक शेड्स लगा दिखाया स्वैग

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर इन दिनों फिल्मों से दूर हैं। हालांकि सोनम को इवेंट्स में अक्सर स्पॉट किया जाता है। हाल ही में सोनम एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं जहां उनके स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक ने सबका ध्यान खींचा। सोनम कपूर के लुक की बात करें तो वो ब्लैक एंड व्हाइट कॉमबिनेशन वाली ड्रेस में नजर आईं। उन्होंने ड्रेस के साथ उन्होनें ब्लैक जैकेट कैरी की थीब्लैक हील्स के साथ लुक को कंप्लीट किया।उन्होंने ब्लैक कलर का बैग भी कैरी किया था जो काफी स्टाइलिश दिख रहा था। मिनिमल मेकअप और ओपन हेयर्स में सोनम बेहद खूबसूरत दिख रहीं थीं। गोगल्स लगाए सोनम फुल स्वैग में एयरपोर्ट पर पोज देती दिखीं। सोनम की यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहीं हैं। बता दें कि सोनम कपूर और आनंद आहूजा ने 2018 में मुंबई में सितारों से सजी शादी रचाई थी। कपल ने अगस्त 2022 में वायु का स्वागत किया। काम की बात करें तो सोनम कपूर ने 2007 में फिल्म सावरिया से डेब्यू किया था। इसके बाद वह नीरजा, रांझणा, दिल्ली-6,प्रेम रतन धन पायो जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। सोनम को आखिर बार फिल्म ब्लाइंड में देखा गया था जो साल 2023 में रिलीज हुई थी।

ऋतिक रोशन

करेंगे होम्बले फिल्म्स की कंतारा चौप्टर 1 का जबरदस्त हिंदी ट्रेलर लॉन्च

होम्बले फिल्म्स की कंतारा चौप्टर 1 को लेकर जबरदस्त उत्सुकता उसकी पहली फिल्म कंतारा (2022)की शानदार सफलता बताई जा रही है। मेकर्स ने जानबूझकर इस प्रीक्वल की जानकारी को गुप्त रखा है, जिस वजह से फिल्म के चारों ओर एक रहस्यमयी माहौल बना हुआ है। यही वजह है कि इसका ट्रेलर इस साल का सबसे ज्यादा इंतजार किया जाने वाला इवेंट बन गया है। फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में साल की सबसे बड़ी घोषणा की है कि इस मच अवेटेड फिल्म का ट्रेलर 22 सितंबर, 2025 को दोपहर 12.45 बजे रिलीज किया जाएगा। ऐसे में, अब एक और रोमांचक अपडेट यह सामने आई है कि इसका हिंदी ट्रेलर सुपरस्टार ऋतिक रोशन लॉन्च करेंगे। कंतारा चौप्टर 1 के मेकर्स ने एक और थ्रिल कर देने वाली घोषणा की है। दरअसल, फिल्म का हिंदी ट्रेलर 22 सितंबर 2025 को दोपहर 12.45 बजे सुपरस्टार ऋतिक रोशन लॉन्च करेंगे। ऐसे में यह घोषणा शेयर करते हुए, उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक जबरदस्त पोस्टर जारी किया है, जिसमें ऋतिक रोशन दिखाई दे रहे हैं। साथ ही कैप्शन में लिखा है कंताराः चौप्टर 1 होम्बले फिल्म्स की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस फिल्म की क्रिएटिव टीम में म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनीश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंग्लान शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर फिल्म की दमदार विजुअल और भावनात्मक कहानी को आकार दिया है। इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। मेकर्स ने कंतारा चौप्टर 1 के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट के साथ एक बड़ा वॉर सीक्वेंस तैयार किया है, जिसमें 500 से ज्यादा कुशल फाइटर्स और 3,000 लोग शामिल हैं। यह सीक्वेंस 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर में, ऊबड़-खाबड़ इलाके में 45-50 दिनों के दौरान फिल्माया गया था, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े सीक्वेंसेज में से एक बनाता है। यह फिल्म 2 अक्टूबर को दुनिया भर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। यह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए भी अलग-अलग भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुँचेगी। फिल्म कंताराः चौप्टर 1 के साथ, होम्बले फिल्म्स भारतीय सिनेमा की सीमाओं को आगे बढ़ा रही है। यह फिल्म लोककथाओं, आस्था और सिनेमा की शानदार कारीगरी का जश्न मनाती है।

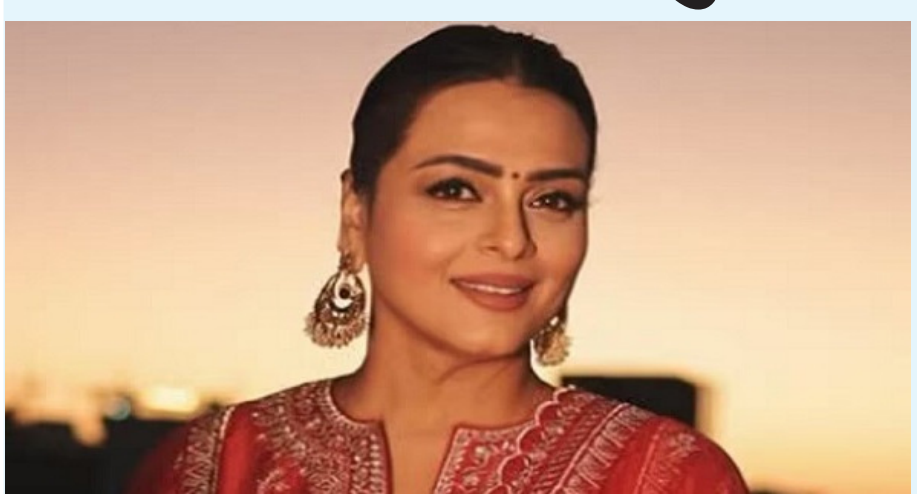

क्या अंजली से नहीं, इस एक्ट्रेस से शादी करने चाहते थे सचिन तेंदुलकर ? सालों बाद खोला था राज

बॉलीवुड और क्रिकेट के बीच सालों से जुड़ी नजदीकियों और अफवाहों ने अक्सर सुर्खियां बनाई हैं। कई क्रिकेट खिलाड़ी बॉलीवुड अभिनेत्रियों से शादी कर चुके हैं या उनकी अफवाहें चचाओं में रही हैं। ऐसी ही एक अफवाह थी कि 1990 के दशक में क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर का बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर के साथ रोमांटिक संबंध था। हालांकि यह कहानी समय-समय पर सामने आती रही, दोनों पक्षों ने हमेशा इसे स्पष्ट रूप से खारिज किया है। शिल्पा शिरोडकर 2000 में यूके के बैंक अधिकारी अपरेश रंजीत से शादी कर चुकी हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर ने अंजली तेंदुलकर से शादी की, जिनके साथ उनके दो बच्चे हैं। एक पुराने इंटरव्यू में शिल्पा शिरोडकर ने बताया कि उनका नाम सचिन तेंदुलकर से कैसे जुड़ा। उन्होंने याद किया कि वह पहली बार सचिन से 1991 में अपनी फिल्म हम की शूटिंग के दौरान मिलीं। यह मुलाकात एक पारिवारिक कनेक्शन के जरिए हुई। उनके कजिन और सचिन एक साथ बैंड्रा ईस्ट में क्रिकेट खेलते थे। शिल्पा ने कहा कि उस समय सचिन पहले से ही अंजली को डेट कर रहे थे, और यह उनके दोस्तों के बीच तो पता था, लेकिन सार्वजनिक रूप से कोई नहीं जानता था। शिल्पा ने कहा, जब मैं फिल्म हम कर रही थी, तब मैं पहली बार सचिन से मिली, क्योंकि सचिन जहां रहते थे, मेरे कजिन भाई वहां रहते थे। सचिन और मेरे कजिन भाई साथ में क्रिकेट खेलते थे। सचिन उस समय पहले से अंजली को डेट कर रहे थे। हम सबको पता था, लेकिन किसी को नहीं बताया गया। बस एक बार मिलने से लोगों ने अफवाहें शुरू कर दीं। सचिन तेंदुलकर ने भी इस अफवाह को सार्वजनिक रूप से खारिज किया। एक पुराने इंटरव्यू में, जब उनसे पूछा गया कि उनके बारे में सबसे बेवकूफी भरी बात क्या सुनी, तो उन्होंने शिल्पा शिरोडकर के साथ अफेयर की अफवाह का उदाहरण दिया और कहा, श्शिल्पा शिरोडकर और मैं अफेयर में थे? हम तो एक-दूसरे को जानते भी नहीं थे। सचिन ने 24 मई 1995 को अंजली से शादी की। छह साल की उम्र के अंतर के बावजूद उनकी जोड़ी आज भी मजबूत है। दोनों की मुलाकात मुंबई एयरपोर्ट पर हुई थी और अंजली ने सचिन का नंबर हासिल किया। जल्द ही दोनों की डेटिंग शुरू हुई और दोनों ने इसे पहली नजर का प्यार बताया। अंजली क्रिकेट के बारे में ज्यादा नहीं जानती थीं, लेकिन उन्होंने सचिन की दुनिया को समझने के लिए क्रिकेट सीखने की कोशिश की। दोनों के दो बच्चे हैं-बेटी सारा तेंदुलकर और बेटे अर्जुन तेंदुलकर। शिल्पा शिरोडकर की शादी अपने समय में जल्दी और सरल तरीके से हुई। उन्होंने 2000 में अपरेश रंजीत से शादी की और जल्द ही उनकी बेटी अनुष्का रंजीत का जन्म हुआ। शिल्पा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने अपने पति से मिलने के डेढ़ दिन बाद ही हां कह दी थी, क्योंकि उनकी ईमानदारी ने उन्हें आकर्षित किया, भले ही अपरेश का करियर उन्हें विदेश ले जा रहा था।

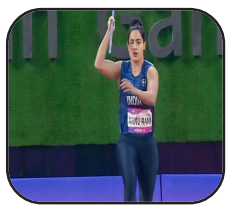

गुलवीर और अन्नू रानी का निराशाजनक प्रदर्शन, फाइनल में नहीं बना सके जगह

टोक्यो (एजेंसी)। गुलवीर पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में और अन्नू रानी महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रहीं। गुलवीर पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ की दूसरी हीट में 13 मिनट 42.34 सेकेंड के समय से नौवें स्थान पर रहे जो इस सत्र का उनका सबसे खराब समय था। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी गुलवीर सिंह और अन्नू रानी ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन किया जिस कारण वह अपनी-अपनी स्पर्धा के फाइनल में जगह नहीं बना सके। गुलवीर पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में और अन्नू रानी महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रहीं। गुलवीर पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ की दूसरी हीट में 13 मिनट 42.34 सेकेंड के समय से नौवें स्थान पर रहे जो इस सत्र का उनका सबसे खराब समय था और उनके राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय 12:59.77 से भी कम था। हालांकि वह मामूली अंतर से फाइनल से चूक गए क्योंकि दोनों हीट में शीर्ष आठ आठ खिलाड़ी ही पदक दौर में पहुंच पाए। वह कुल 39 प्रतिस्पर्धी खिलाड़ियों में 27वें स्थान पर रहे।

अमेरिकी सीनेटर ने ट्रंप से चीन पर की प्रतिबंध की मांग

कार्रवाई के लिए भारत पर टैरिफ का दिया हवाला

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राजनीति में चीन को लेकर एक बार फिर सख्त रुख देखने को मिला है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अपील की कि वे चीन पर तत्काल कड़े प्रतिबंध और टैरिफ लगाएं। ग्राहम ने कहा कि चीन सस्ते रूसी तेल की खरीद कर सीधे-सीधे पुतिन की युद्ध मशीन को ईंधन दे रहा है। उनका यह बयान उस वक्त आया जब यूरोपीय संघ ने रूस से कारोबार करने वाली चीनी ऊर्जा कंपनियों पर नई पाबंदियां लगाई हैं। ग्राहम ने ईयू के 19वें प्रतिबंध पैकेज का समर्थन किया और कहा कि अब अमेरिका को भी इसी राह पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने हाल ही में यूरोप से चीन पर 50 से 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का निर्देश दिया था और ईयू का नया फैसला उसी दिशा में बड़ा कदम है। ग्राहम ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा कि यह सही दिशा में अहम कदम है। अब अमेरिका की बारी है कि वह चीन पर टैरिफ और प्रतिबंध लगाए। भारत पर लगे टैरिफ का उदाहरण दिया ग्राहम ने आगे कहा कि ट्रंप का भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाना लाभकारी साबित होगा। उन्होंने लिखा कि जब भारत पर यह नीति लागू हो सकती है तो अब समय आ गया है कि चीन और रूस पर भी इसी तरह के टैरिफ और प्रतिबंध लगाए जाएं। ग्राहम के इस बयान को लेकर अमेरिकी राजनीति में नई बहस छिड़ गई है क्योंकि ट्रंप की नीतियां पहले से ही वैश्विक व्यापार पर बड़ा असर डाल रही हैं। टिकटॉक पर ट्रंप-शी जिनपिंग की डील लेकर समझौता हो गया है। ट्रंप ने कहा कि टिकटॉक का सौदा जल्द ही पूरा होगा और निवेशक इसके लिए तैयार हैं। हालांकि इस डील के ब्योरे अभी सामने नहीं आए हैं। ट्रंप ने कहा कि शी जिनपिंग ने टिकटॉक डील को मंजूरी दे दी है और जल्द ही इस पर हस्ताक्षर होंगे। यूरोपीय संघ ने रूसी एलएनजी आयात पर लगाई रोक यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने शुक्रवार को कहा कि अब नल बंद करने का समय आ गया है। उन्होंने घोषणा की कि इसी बीच शुक्रवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की कि उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ फोन पर बातचीत की है और टिकटॉक के संचालन को यूरोपीय संघ अब रूसी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का आयात बंद करेगा। उन्होंने कहा कि रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था उसकी जीवाश्म ईंधनों से मिलने वाली कमाई पर निर्भर है और इस आय को रोकना जरूरी है। ईयू का यह पैकेज 2027 तक रूसी एलएनजी की खरीद पूरी तरह बंद करने की योजना भी शामिल करता है। नाटो देशों से भी तेल आयात रोकने की अपील इससे पहले ट्रंप ने नाटो देशों को पत्र लिखकर रूस से तेल आयात बंद करने का आग्रह किया था। उन्होंने सुझाव दिया था कि नाटो समूह के रूप में चीन पर 50 से 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए। ट्रंप ने कहा था कि युद्ध खत्म होने के बाद ये टैरिफ वापस लिए जा सकते हैं। उनका मानना है कि ऐसे कदम रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने में मददगार होंगे।

घनसोली सुरंग निर्माण में बड़ी सफलता, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी रहे मौजूद

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत 4.88 किलोमीटर लंबी शिल्फाता-घनसोली सुरंग के निर्माण की दिशा में शनिवार सुबह कामयाबी मिली। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने यह जानकारी दी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव घनसोली शाफ्ट पर मौजूद थे, जब नियंत्रित विस्फोट के जरिए यह सफलता हासिल की गई। न्यू ऑस्ट्रियन टनल मेथड (एनएटीएम) का उपयोग करके खोदी गई यह सुरंग, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) और शिलफाता के बीच 21 किलोमीटर लंबे भूमिगत खंड का हिस्सा है। इसमें ठाणे क्रीक के नीचे सात किलोमीटर का खंड भी शामिल है। एनएचएसआरसीएल ने कहा कि सुरंग की खुदाई मई 2024 में तीन चरणों में शुरू हुई थी, और 2.7 किलोमीटर के खंड की पहली सफलता नौ जुलाई को हासिल की गई थी। घनसोली और शिलफाता दोनों तरफ से एक साथ खुदाई के लिए एक अतिरिक्त मध्यवर्ती सुरंग (एडीआईटी) का निर्माण किया गया था। कहा गया है कि एनएटीएम सुरंग की आंतरिक चौड़ाई 12.6 मीटर है और इसका निर्माण चुनौतीपूर्ण भूवैज्ञानिक परिस्थितियों में ड्रिलिंग, विस्फोट, सर्वेक्षण कार्यों और सहायक प्रणालियों का उपयोग करके किया गया है। निगम ने कहा कि अगले चरण में वॉटरप्रूफिंग, लाइनिंग, फिनिशिंग और उपकरण स्थापना का काम शामिल होगा, जबकि शेष 16 किलोमीटर सुरंग निर्माण का काम टनल बोरिंग मशीनों (टीबीएम) का उपयोग करके किया जाएगा।

लीबिया के तट पर प्रवासियों से भरी नाव डूबी

कम से कम 19 लोगों की मौत, 42 लापता

काहिरा (एजेंसी)। लीबिया के पूर्वी तट पर रबर से बनी एक प्रवासी नाव डूब गई। हादसे में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 42 लोग लापता बताए जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को नाव डूबने के बारे में जानकारी दी। यह नाव 9 सितंबर को कंबाउट शहर के पास समुद्र तट से रवाना हुई थी और उसी दिन डूब गई थी। इसमें 70 से अधिक सूडान और दक्षिण सूडान के नागरिक सवार थे। आईओएम के प्रवक्ता ने बताया कि 14 लोगों को पांच दिन बाद बचाया गया, जबकि 42 लोग अब भी लापता हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि बचे हुए लोग इतने दिनों तक समुद्र में कैसे जीवित रहे। प्रवासियों के लिए यूरोप पहुंचने का मुख्य रास्ता है लीबिया लीबिया लंबे समय से अफ्रीका और मध्य पूर्व से युद्ध और गरीबी से भाग रहे प्रवासियों के लिए यूरोप पहुंचने का मुख्य रास्ता रहा है। लीबिया रेड क्रिसेंट ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को अपने फेसबुक पेज पर बताया कि उसे तोब्रुक प्रशासन से एक आपातकालीन कॉल मिला था, जिसमें कंबाउट समुद्र तट से शव बरामद करने की बात कही गई थी। रेड क्रीसेंट ने कई शव बरामद किए, लेकिन यह नहीं बताया कि वे वही 19 शव थे, जो आईओएम की रिपोर्ट में उल्लिखित थे या अलग। जुवारा के अधिकारियों ने कहा- उन्होंने 35 प्रवासियों को बचाया एक अलग

घटना में, पश्चिमी लीबिया के तटीय शहर जुवारा के अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पांच महिलाओं और एक बच्चे समेत 35 प्रवासियों को बचाया। जुवारा नौसेना संचालन बल के एक बयान के अनुसार, प्रवासी अबू कम्माश क्षेत्र के तट पर एक नाव पर सवार थे। यह बल पश्चिम में राजधानी त्रिपोली में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एकता सरकार का हिस्सा है। इस महीने की शुरूआत में भी पलटी थी प्रवासी नाव लीबियाई अधिकारियों के मुताबिक, इस महीने की शुरूआत में भी लीबिया के तट पर एक प्रवासी नाव पलट गई थी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत और 22 लापता हो गए थे। तोब्रुक में तट रक्षक ने उस समय कहा था कि नाव में 32 प्रवासी सवार थे, जिनमें से नौ को बचा लिया गया था। लीबिया में लंबे समय से बनी अराजकता गौरतलब है कि 2011 में नाटो समर्थित विद्रोह के बाद लीबिया में लंबे समय से अराजकता बनी हुई है, जब तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी को सत्ता से बेदखल कर मार दिया गया था।

रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला, नौ शहरों में मची तबाही; तीन की मौत, 20 से ज्यादा लोग घायल

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन पर रूस ने शनिवार तड़के भीषण मिसाइल और ड्रोन हमला किया, जिसमें डि्नप्रो, कीव, ओडेसा सहित नौ क्षेत्रों को निशाना बनाया गया। हमले में तीन लोगों की मौत और 20 से ज्यादा लोग घायल हुए। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि नागरिक इलाकों और इमारतों को जानबूझकर निशाना बनाया गया है। रूस के साथ तीन साल से ज्यादा समय से चल रहे संघर्ष में यूक्रेन की स्थिति दिन-प्रतिदिन और भयावह होती जा रही है। कई देशों के प्रयास के बावजूद इस संघर्ष के खत्म होने को लेकर दूर-दूर तक कोई रास्ता भी नजर नहीं आ रहा है। इसी बीच शनिवार तड़के रूस ने यूक्रेन के विभिन्न हिस्सों पर एक बड़ा मिसाइल और ड्रोन हमला किया। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। मामले में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि हमला यूक्रेन के नौ अलग-अलग स्थानों पर हुआ है, जिसमें डि्नप्रोपेट्रोव्स्क, मायकोलाइव, चेर्निहिव, जापोरिज्जिया, पोल्टावा, कीव, ओडेसा, सुमी और खारकीव शामिल है। नागरिक इलाकों को बनाया गया निशाना यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने आगे बताया कि ये हमला नागरिक इलाके को बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस हमले के पीछे रूस का मकसद केवल सैन्य ठिकाने नहीं, बल्कि नागरिक क्षेत्रों, रिहायशी इलाकों और इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचाना था। डि्नप्रो शहर में एक बहुमंजिला इमारत पर क्लस्टर बम से हमला किया गया, जिससे भारी नुकसान हुआ। डि्नप्रो में दर्जनों लोग घायल डि्नप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र के गवर्नर सेरही लाइसाक ने बताया कि हमले में कम से कम 26 लोग घायल हुए हैं। कई ऊंची इमारतों और घरों को नुकसान पहुंचा है। इसके साथ ही कीव क्षेत्र के बुचा, बोरिस्पिल और ओबुखिव में भी हमले हुए, जिसमें कई घरों और गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। पश्चिमी ल्वीव क्षेत्र में दो क्रूज मिसाइलों को मार गिराया गया। यूक्रेन ने मार गिराए 552 ड्रोन और 31 मिसाइलें यूक्रेनी एयर फोर्स के मुताबिक, रूस ने कुल 619 मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च किए।

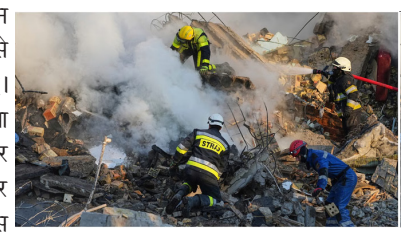

कोविड के टीके लगवाने को लेकर अमेरिका में विवाद, स्वास्थ्य मंत्री के सलाहकारों ने पैदा की भ्रम की स्थिति

अटलांटा (अमेरिका) (एजेंसी)। अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. केनेडी जूनियर के नए टीका सलाहकारों ने इस बार कोविड-19 टीकाकरण को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा कर दी। उन्होंने किसी के लिए भी टीके की सिफारिश नहीं की और इसे लोगों की अपनी इच्छा पर छोड़ दिया कि वे टीका लगवाना चाहते हैं या नहीं। अब तक ये टीके लगभग सभी अमेरिकियों को नियमित रूप से उपलब्ध कराए जाते थे, जो इसे लगवाना चाहते थे। हाल ही में अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने इस साल फाइजर, मॉडर्ना और नोवावैक्स टीके पर नई सीमाएं लगा दीं और इन्हें केवल 65 साल से ऊपर के लोगों या ऐसे युवाओं के लिए सुरक्षित रखा, जिन्हें वायरस से ज्यादा खतरा है। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के सलाहकारों ने कई बार मतदान के बाद यह फैसला लिया कि वे सीधे तौर पर टीकाकरण की सिफारिश नहीं करेंगे, बल्कि लोगों को खुद फैसला लेने देंगे।

सलाहकारों के इस पैनल ने यह भी सुझाव दिया कि सीडीसी को टीके से जुड़े संभावित जोखिमों के बारे में स्पष्ट भाषा में जानकारी देनी चाहिए। इस पर बाहरी चिकित्सा समूहों ने विरोध जताया। उनका कहना था कि टीके की सुरक्षा का रिकॉर्ड अब तक अच्छा रहा है। पैनल ने इस बात को टाल दिया कि कोविड का टीका लेने के लिए लोगों को डॉक्टर की पर्ची (प्रिस्क्रिप्शन) जरूरी होगी या नहीं। अमेरिकी बाल चिकित्सा अकादमी के डॉक्टर सीन ओ'लोरी ने कहा कि यह फैसला बहुत ज्यादा अस्पष्ट है और अमेरिका के बच्चों पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

अंतरिक्ष-समुद्री क्षेत्र में भारत-यूएई के बीच अहम समझौते की नींव तैयार

गोयल के दौरे में बनी सहमति

अबू धाबी (एजेंसी)। पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच पारस्परिक सुरक्षा समझौता के कारण बढ़ी नजदीकी के कारण भारत की निगाहें अब पश्चिम एशिया में अपनी पुरानी स्थिति मजबूत करने पर है। इस कड़ी में भारत की निगाहें क्षेत्र की एक और ताकत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर है। भारत जल्द यूएई के साथ अंतरिक्ष और समुद्री क्षेत्र में कई अहम समझौते करने जा रहा है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के दो दिवसीय यूएई दौरे पर समझौते की जमीन तैयार कर ली गई है। इसे पाक-अरब समझौते के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। भारत यूएई उच्चस्तरीय निवेश कार्यदल की 13वीं बैठक में शिरकत करने पहुंचे गोयल ने वहां अबूधाबी इंडिया बिजनेस फोरम में भी हिस्सा लिया। इस दौरान दोनों देशों के बीच अगले तीन वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 200 अरब डॉलर तक पहुंचाने पर सहमति बनी है। ऊर्जा, तकनीक समेत कई अन्य क्षेत्रों में अहम समझौते के बाद दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष और समुद्री क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर व्यापक बातचीत हुई है। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्दी ही दोनों देश इन क्षेत्रों में कई अहम समझौते पर सहमत होंगे।

भारत के लिए यूएई अहम क्यों? यूएई में 42 लाख भारतीय हैं। यूएई पश्चिम एशिया में सऊदी अरब की तरह अहम ताकत है। दोनों देशों के बीच तेल के इतर दूसरे व्यापार में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। खासतौर पर ऊर्जा और तकनीक के क्षेत्र में दोनों देशों के रिश्ते मजबूत हुए हैं। अंतरिक्ष को लेकर सौ से अधिक परियोजनाओं पर काम कर रहे यूएई को इस क्षेत्र में भारत की मदद की जरूरत है। दूसरी ओर भारत को अरब के सबसे बड़े बंदरगाह जबल अली पोर्ट की जरूरत है। इस्राइल के मामले में अलग सुर यूएई इस्राइल मामले में इस्लामिक देशों से अलग रुख अपनाने के कारण चर्चा में है। इस्राइल के कतर पर हमले के बाद 50 इस्लामिक देशों की बैठक में सांकेतिक उपस्थिति दर्ज करा कर यूएई ने नया रुख अपनाने का इशारा किया है।

'फलस्तीन को मान्यता, मध्य पूर्व की शांति के लिए ऐतिहासिक कदम', राष्ट्रपति मैक्रों ने जताई ये उम्मीद

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में फलस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र की मान्यता देंगे। उनका कहना है कि यही द्वि-राष्ट्र समाधान शांति का रास्ता है। इस कदम से इस्राइल और अमेरिका नाराज हैं, जबकि कुछ यूरोपीय देश फ्रांस का साथ दे सकते हैं।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण–।।, उत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफॉर्मा पर खुली ई–निविदाएँ दो पैकेट में आमंत्रित की जाती हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	"उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के "दीदारगंज (एनईआर)-शाहगंज- बिलवई स्टेशन बाईपास (शाहगंज जंक्शन)" और मुफ्तीगंज (एनईआर)-जौनपुर जंक्शन - महगवां बाईपास (जौनपुर जंक्शन) को जोड़ने वाली कॉर्ड लाइन" के संबंध में मिट्टी का कार्य, भराई, कटाई और संघनन, तटबंध पर कंबल सामग्री की आपूर्ति और फैलाव बड़े/छोटे पुलों आदि का निर्माण और अन्य सहायक कार्य ।
2	कार्य पूरा करने की अवधि	12 (बारह) माह
3	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 3414.99 लाख
4	धरोहर राशि	रु. 18,57,500/- मात्र
5	ई–निविदा जमा करने की तारीख/समय एवं निविदा खुलने की तारीख	निविदाएँ दिनांक 13.10.2025 को 11:30 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की जा सकती है तथा दिनांक 13.10.2025 को समय 11:30 बजे खोली जाएगी।
6	विस्तृत निविदा सूचना व प्रपत्र	विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र दिनाँक 20.09.2025 से आई.आर.ई.पी.एस के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध रहेंगें व दिनांक 29.09.2025 से 13.10.2025 तक ई–निविदा अपलोड की जा सकती है।

संख्या 11–टेण्डर/उपमुइंजी./नि.–।।/वाराणसी दिनाँक: 19.09.2025 2893/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी पर कसी लगाम, फंडिंग रोकी; एडमिशन नीति पर उठाए सवाल

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ट्रंप प्रशासन और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के बीच चल रहे विवाद के बीच अब एक नया मामला सामने आया है। जहां ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के खिलाफ अपनी कार्रवाई को और तेज कर दिया है। शुक्रवार को अमेरिका की शिक्षा मंत्री लिंडा मैकमैहन ने एलान किया कि अब हार्वर्ड को हाइटेंड कैश मॉनिटरिंग के तहत रखा जाएगा। इसका मतलब यह है कि अब हार्वर्ड को छात्रों की फाइनेंशियल ऐड (छात्रवृत्ति आदि) के पैसे पहले खुद देने होंगे, और फिर सरकार से उसकी भरपाई मांगनी होगी। इसके अलावा मंत्रालय ने चेतावनी दी कि अगर हार्वर्ड ने अपने एडमिशन (प्रवेश) प्रक्रिया की पूरी जानकारी नहीं दी और यह साबित नहीं किया कि अब वह नस्ल के आधार पर दाखिला नहीं दे रहा है, तो उस पर और सख्त कार्रवाई हो सकती है। इस दौरान शिक्षा मंत्री मैकमैहन ने हार्वर्ड की आर्थिक स्थिति को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें हार्वर्ड की आर्थिक स्थिति को लेकर भी चिंता है क्योंकि उस पर सरकार की फंडिंग खतरे में है। बता दें कि हार्वर्ड के पास 53 अरब डॉलर (लगभग 4.3 लाख करोड़ रुपये) का बंदोबस्ती कोष है, जो किसी भी विश्वविद्यालय के मुकाबले सबसे बड़ा है। समझिए क्या है मामला? मामले में ट्रंप प्रशासन का

कहना है कि हार्वर्ड जैसे बड़े विश्वविद्यालयों में लिबरल झुकाव है। साथ ही वह अमेरिका की शिक्षा व्यवस्था को अपने हिसाब से चलाकर प्रभावित कर रहे हैं। हालांकि ये पहली बार नहीं है कि ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी पर ऐसा कोई लगाम लगाया हो या धमकी दी हो, ट्रंप प्रशासन जब से सत्ता में आई, तब से उन विश्वविद्यालयों पर दबाव बनाया जो उनके एजेंडे से सहमत नहीं थे। हार्वर्ड से काटी गई अरबों की फंडिंग इससे पहले भी ट्रंप प्रशासन ने हार्वर्ड से 2.6 अरब डॉलर (लगभग 21,500 करोड़ रुपये) की रिसर्च फंडिंग भी रोक दी थी क्योंकि विश्वविद्यालय ने सरकार की शर्तों को मानने से इनकार कर दिया था। हार्वर्ड ने इसके खिलाफ अदालत में मुकदमा किया और हाल ही में एक जज ने सरकार को फंडिंग बहाल करने का आदेश दिया। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को 46 मिलियन डॉलर (लगभग 380 करोड़ रुपये) की फंडिंग बहाल की। हार्वर्ड के नामांकन प्रक्रिया पर उठाए सवाल अमेरिकी सरकार ने बढ़ते विवाद के बीच हार्वर्ड के दाखिला प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि हार्वर्ड अभी तक यह नहीं दिखा सका है कि वह छात्रों के चयन में नस्ल का इस्तेमाल नहीं कर रहा। गौरतलब है कि 2014 में कुछ छात्रों ने हार्वर्ड के खिलाफ मुकदमा किया था, जिसमें आरोप था कि यूनिवर्सिटी की एडमिशन नीति एशियाई और श्वेत छात्रों के खिलाफ भेदभाव करती है। यह केस 2023 में सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और अदालत ने फैसला सुनाया कि अब अमेरिका में दाखिले में नस्ल के आधार पर फैसला नहीं लिया जा सकता।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।